● वर्ष-2
● अंक-161
रायपुर, गुरुवार
23 फरवरी 2023
● पृष्ठ-6
● मूल्य-3 रु.

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

samacharpacheesa@gmail.com

इन दिनों — शशांक शर्मा

रायपुर में कांग्रेस पार्टी का महाधिवेशन

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना 1885 में एक अंग्रेज अधिकारी एओह्युम के द्वारा की गई थी। कांग्रेस पार्टी ने उसके बाद अनेक परिवर्तन देखे। इन परिवर्तनों में महात्मा गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी का एक संगठनात्मक पार्टी के 1920 के नागपुर अधिवेशन में महत्वपूर्ण था। प्रतिवर्ष दिसम्बर माह के अंतिम सप्ताह में कांग्रेस पार्टी का नियमित अधिवेशन होता था जो स्वतंत्रता के बाद 1965 तक चलता रहा। पं. जवाहरलाल नेहरु के निधन के बाद कांग्रेस पार्टी का वार्षिक अधिवेशन नियमित नहीं रहा। इस वर्ष 24 से 26 फरवरी कांग्रेस पार्टी का एक अधिवेशन छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में हो रहा है। इसके पूर्व कोई भी अधिवेशन छत्तीसगढ़ की सीमा में नहीं हुआ था। सबसे नजदीक जबलपुर के पास त्रिपुरी और नागपुर में अधिवेशन हो चुके है। ऐतिहासिक दृष्टि से यह अधिवेशन छत्तीसगढ़ के लिए गौरव की बात है। इस अधिवेशन में कांग्रेस पार्टी इस वर्ष के अंत में होने वाले छत्तीसगढ़ सहित कई महत्वपूर्ण राज्यों के विधानसभा चुनाव और 2024 में लोकसभा चुनाव की दृष्टि से चर्चा होगी। लंबे समय के बाद कांग्रेस पार्टी को गांधी, नेहरु परिवार के बाहर राष्ट्रीय अध्यक्ष मिला है। मल्लिकार्जुन खड़गे की अध्यक्षता में इस अधिवेशन में संगठनात्मक चर्चा होगी। 2004 से 2014 दस वर्षों तक डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी की सरकार केंद्र में रही। इसके बाद लगातार दो चुनाव में कांग्रेस को करारी हार मिली है। कांग्रेस पार्टी के इतिहास में लगभग 50 के आसपास तक सीटों पर जीत आपातकाल के बाद कांग्रेस के सबसे बुरे काल में भी नहीं मिली थी। 2019 में राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी को हार मिली। इसके बाद राहुल गांधी ने अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था। लगभग 3 वर्षों तक कांग्रेस पार्टी का कोई पूर्णकालिक अध्यक्ष नहीं था, इसलिए संगठन का ढांचा बिखर चुका है। हाल में केवल 3 ही राज्य ऐसे है हिमाचल प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ जहां कांग्रेस पार्टी की सरकार है। ऐसा नहीं है कि कांग्रेस पार्टी देश में कमजोर हो गई है लेकिन नेतृत्व का अभाव और दिशाहीनता के कारण पार्टी की स्थिति अच्छी नहीं है। पिछले 4 महीनों से राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा कर रहे थे जिसे देशभर में अच्छा प्रतिसाद मिला है। नए अध्यक्ष का नेतृत्व और भारत जोड़ो यात्रा की सफलता के बाद रायपुर में होने वाले महाधिवेशन में इस बात की उम्मीद जताई जा रही है कि कांग्रेस पार्टी को फिर से मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाएंगे। लोकतंत्र में मजबूत विपक्ष का होना जरुरी है। कांग्रेस जैसी राष्ट्रीय पार्टी का कमजोर रहना भारतीय लोकतंत्र के लिए भी अच्छा नहीं है।

भारतीय नागरिक संहिता पर चर्चा शुरू

इंडिया माइनॉरिटी कॉन्क्लेव-2023 में बुद्धिजीवी मुस्लिम आवाज बुलंद कर रहे

नई दिल्ली। देश में समान नागरिक संहिता लाने की बढ़ती मांग के बीच इस पर तमाम तरह की प्रतिक्रियाएं भी सामने आ रही हैं। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड समेत कई मुस्लिम संगठन जहां इसके विरोध में आवाज उठा रहे हैं वहीं बुद्धिजीवी मुस्लिम इसके पक्ष में आवाज बुलंद कर रहे हैं। केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने कहा है कि समान नागरिक संहिता सभी समुदायों को समान न्याय देने का संवैधानिक उद्देश्य है। आरिफ मोहम्मद खान ने कहा है कि समान नागरिक संहिता को लेकर एक गलत विमर्श गढ़ा जा रहा है। एनआईडी फाउंडेशन द्वारा आयोजित 'इंडिया माइनॉरिटी कॉन्क्लेव, 2023 को संबोधित करते हुए आरिफ मोहम्मद खान ने यह भी कहा कि समान नागरिक संहिता को अपनाने से हमारी धार्मिक प्रथाओं में हस्तक्षेप नहीं होगा।'' उन्होंने कहा, ''समान नागरिक संहिता के प्रावधान विभिन्न समुदायों से संबंधित महिलाओं को समान न्याय प्रदान करने के लिए हैं, चाहे वह वैवाहिक विवाद हो या संपत्ति विवाद।'' आरिफ मोहम्मद खान ने कहा है कि ''हमारे देश में विभिन्न समुदायों द्वारा अपनाई गई व्यक्तिगत कानूनों की अलग-अलग परिभाषाओं के कारण महिलाओं के साथ अन्याय हुआ है और इसलिए एक ऐसा समान कानून लाने की

आवश्यकता है जिसमें सभी समुदायों के लिए समान प्रावधान हों।''

दूसरी ओर, ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड हो या जमीयत उलेमा-ए-हिंद...यह लोग मजहब के नाम पर बातें तो बड़ी-बड़ी करते हैं लेकिन आम गरीब मुस्लिमों के हितों के लिए इन्होंने आज तक कुछ नहीं किया। इन्हें समझना होगा कि विवाह की न्यूनतम उम्र, विवाह विच्छेद (तलाक) का आधार, गुजारा भत्ता, गोद लेने का नियम, विरासत और वसीयत का नियम तथा संपत्ति का अधिकार सहित उपरोक्त सभी विषय सिविल राइट, ह्यूमन राइट, जेंडर जस्टिस, जेंडर इक्वालिटी और राइट टू लाइफ से सम्बन्धित हैं जिनका न तो मजहब से किसी तरह का संबंध है और न तो इन्हें धार्मिक या मजहबी व्यवहार कहा जा सकता है, लेकिन आजादी के 75 साल बाद भी धर्म या मजहब के नाम पर महिला-पुरुष में भेदभाव जारी है। हमारे संविधान निर्माताओं ने अनुच्छेद 44 के माध्यम से समान नागरिक संहिता की कल्पना की थी ताकि सबको समान अधिकार और समान अवसर मिलें और देश की एकता, अखंडता मजबूत हो लेकिन वोट बैंक राजनीति के कारण आज तक समान नागरिक संहिता या भारतीय नागरिक संहिता का एक ड्राफ्ट भी नहीं बनाया गया। देखा जाये तो जिस दिन भारतीय नागरिक संहिता का एक ड्राफ्ट बनाकर सार्वजनिक कर दिया जाएगा और आम जनता विशेषकर बहन-बेटियों को इसके लाभ के बारे में पता चल जाएगा, उस दिन कोई भी इसका विरोध नहीं करेगा। सच तो यह है कि जो लोग समान नागरिक संहिता के बारे में कुछ नहीं जानते हैं वे ही इसका विरोध कर रहे हैं। जहां तक इस मुद्दे पर मोदी सरकार के रुख की बात है तो आपको बता दें कि केंद्रीय कानून मंत्री किरेन रिजीजू ने हाल ही में संसद को बताया था कि सरकार ने 21वें विधि आयोग से समान नागरिक संहिता से संबंधित विभिन्न मुद्दों का परीक्षण करने और सिफारिशें करने का अनुरोध किया था। 21वें विधि आयोग का कार्यकाल 2018 में समाप्त हो गया था। 22वें विधि आयोग ने इस मुद्दे पर विचार किया या नहीं, पर अब उसका भी कार्यकाल समाप्त हो चुका है। 23वां विधि आयोग कब गठित होगा और क्या यह अगले साल होने वाले लोकसभा चुनावों से पहले अपनी सिफारिशें दे देगा और क्या सरकार उन सिफारिशों को मानकर अगले लोकसभा चुनावों से पहले समान नागरिक संहिता ले आयेगी ये कुछ बड़े सवाल लोगों के मन में हैं।

बहरहाल, सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता और भारत के पीआईएल मैन के रूप में जाने जाने वाले अश्विनी उपाध्याय का कहना है कि हमें यूनिफॉर्म सिविल कोड या कॉमन सिविल कोड नहीं चाहिए। उनका कहना है कि हमें भारतीय समान नागरिक संहिता चाहिए। उनका कहना है कि हमें भारत की आवश्यकताओं को देखकर समान कानून बनाये जाने की जरूरत है जोकि शादी, तलाक, गुजारा भत्ता, गोद लेने और उत्तराधिकार आदि पर सभी चीजें स्पष्ट करता हो।

फडणवीस-अजित को शपथ दिलाने में था शरद पवार का रोल?

मुंबई। महाराष्ट्र की राजनीति भी दिलचस्प है। लगातार कुमार की राजनीति गर्म रहती है। 2019 के चुनाव के विधानसभा चुनाव के बाद वहां की राजनीतिक स्थिति में बड़ा परिवर्तन देखा गया। भाजपा और शिवसेना ने मिलकर चुनाव लड़ा था। बहुमत भी मिला था लेकिन मुख्यमंत्री की कुर्सी को लेकर दोनों दलों में टकराव की स्थिति पैदा हुई। तब भाजपा सरकार नहीं बना सकी। बाद में वहां राष्ट्रपति शासन लगा। हालांकि, अचानक एक दिन सुबह इस बात की खबर आती है कि महाराष्ट्र में भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस ने शरद पवार की पार्टी एनसीपी के समर्थन से मुख्यमंत्री पद की शपथ ले ली है। देवेंद्र फडणवीस के साथ शरद पवार के भतीजे अजीत पवार ने उप मुख्यमंत्री पद की शपथ ले ली। यह वह दौर था जब शिवसेना, एनसीपी और कांग्रेस के बीच सरकार गठन को लेकर बातचीत चल रही थी। हालांकि, यह सरकार सिर्फ 5 दिनों तक ही चल सकी। एनसीपी ने अपना समर्थन वापस ले लिया था।

एनसीपी की ओर से साफ तौर पर कहा गया था कि अजित पवार ने बिना शरद पवार से पूछे ही शपथ ग्रहण किया है। पिछले दिनों इस घटना का जिक्र करते हुए देवेंद्र फडणवीस ने कहा था कि सभी काम शरद पवार की सहमति से ही हुए थे और उनको इस बात की जानकारी दी थी। इन सबके बीच आज शरद पवार का एक ऐसा बयान आया है जिससे इस बात के संकेत मिल रहे हैं कि कहीं ना कहीं इस घटनाक्रम में शरद पवार की भूमिका रही होगी। हालांकि अभी भी इस बात को लेकर कोई पुष्टि नहीं हुई है। शरद पवार ने अपने एक बयान में कहा कि भारतीय जनता पार्टी द्वारा उनके भतीजे और राकांपा नेता अजित पवार के साथ सरकार बनाने की कोशिश का एक फायदा यह हुआ कि इससे 2019 में महाराष्ट्र में राष्ट्रपति शासन समाप्त हो गया। यह पूछे जाने पर कि क्या उन्हें इस तरह के सरकार गठन के बारे में पता था और अजित पवार इस मुद्दे पर चुप्पी क्यों साधे हुए हैं, राकांपा प्रमुख ने हैरानी जताते हुए कहा कि क्या इस बारे में बोलने की जरूरत है? उन्होंने कहा कि मैंने अभी कहा कि अगर इस तरह की कवायद नहीं होती तो क्या राष्ट्रपति शासन हटा लिया जाता? अगर राष्ट्रपति शासन नहीं हटा होता तो क्या उद्धव ठाकरे मुख्यमंत्री पद की शपथ लेते? गौरतलब है कि महाराष्ट्र में एक आश्चर्यजनक राजनीतिक घटनाक्रम के बाद तत्कालीन राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने 23 नवंबर, 2019 को एक समारोह में फडणवीस को मुख्यमंत्री और अजित पवार को उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ दिलाई थी, लेकिन सरकार सिर्फ तीन दिन तक चली, जिसके बाद उद्धव ठाकरे ने राकांपा और कांग्रेस के समर्थन से मुख्यमंत्री पद की शपथ ली।

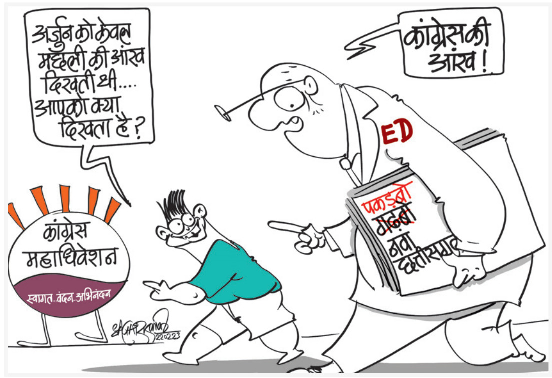

प्रमुख समाचार

चीन को लेकर जयशंकर पर कांग्रेस का पलटवार, बताया सबसे असफल विदेश मंत्री

नई दिल्ली। भारत के विदेश मंत्री एय जयशंकर के चीन, राहुल गांधी और भारतीय सीमा की सुरक्षा को लेकर दिए बयान के बाद अब कांग्रेस की तरफ से पलटवार किया गया है। प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने एस जयशंकर को अब तक का सबसे असफल विदेश मंत्री करार दिया है। उन्होंने कहा कि कल भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कुछ ऐसी बातें कहीं, आप अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ बयानबाजी करें। आप लगातार करते भी रहते हैं, वो कई बार फुहर होती है, कई बार इम्चैयोर होती है। लेकिन आपने चीन को लेकर जो बोला वो वाकई में चिंताजनक है। आपने भले ही राहुल गांधी का अपमान करने की कोशिश की हो। लेकिन आपने भारतीय सेना और उनके शौर्य का अपमान किया है। इसके साथ ही इस देश के भू-भागीय अखंडता पर एक बहुत बड़ा सवाल भी उठा दिया। सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि विदेश मंत्री एस जयशंकर ने चीन को लेकर जो बोला है वो चिंताजनक है।

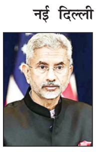

2024 में बनेगी कांग्रेस के नेतृत्व में सरकार-मल्लिकार्जुन

नई दिल्ली। 2024 चुनाव को लेकर अब राजनीतिक वार-पलटवार का दौर शुरू हो गया है। 2024 को लेकर सभी पार्टियों के अपने-अपने दावे हैं। इन सबके बीच कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे नागालैंड में थे। नागालैंड में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने ऐलान कर दिया कि 2024 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस विपक्षी गठबंधन का नेतृत्व करेंगी और भाजपा को हरा देगी। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि हम अन्य दलों के साथ बहुमत को प्राप्त करेंगे। चाहे 100 मोदी और शाह क्यों ना आ जाए। उन्होंने कहा कि एक मजबूत गठबंधन के लिए विपक्षी दलों के साथ बातचीत जारी है। इसके साथ एक लड़के ने यह भी कहा कि नरेंद्र मोदी ने कई बार कहा है कि मैंमैं अकेला आदमी हूं जो देश का सामना कर सकता हूं। कोई अन्य व्यक्ति मुझे छू नहीं सकता। इसके साथ ही खड़गे ने कहा कि कोई भी लोकतांत्रिक व्यक्ति ऐसा नहीं कह सकता। आप लोकतंत्र में हैं। आपको याद रखना चाहिए कि आप निरंकुश नहीं है। आप तानाशाही नहीं है। आप लोगों द्वारा चुने गए हैं और लोग आप को सबक सिखाएंगे।

मनीष सिसोदिया की बढ़ीं मुश्किलें! जासूसी के आरोपों पर सीबीआई दर्ज करेगी केस

नई दिल्ली। सीबीआई ने दिल्ली सरकार के सतर्कता विभाग के प्रमुख सिसोदिया के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की अनुमति मांगी थी। दिल्ली में आप के सत्ता में आने के बाद 2015 में इस विभाग के तहत फीडबैक यूनिट बनाई गई थी। दिल्ली के डिप्टी सीएम सिसोदिया को बड़ा झटका मिला है। केंद्र ने प्रतिद्वंद्वियों पर जासूसी के लिए मुकदमा चलाने की मंजूरी दे दी है। गृह मंत्रालय ने फीडबैक यूनिट स्नूपिंग मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया पर मुकदमा चलाने की मंजूरी दे दी है। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने मुकदमा चलाने की मंजूरी के लिए केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के अनुरोध को मंजूरी दे दी और इसे गृह मंत्रालय को भेज दिया। सीबीआई ने दिल्ली सरकार के सतर्कता विभाग के प्रमुख सिसोदिया के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की अनुमति मांगी थी। दिल्ली में आप के सत्ता में आने के बाद 2015 में इस विभाग के तहत फीडबैक यूनिट बनाई गई थी। सप्ताह पहले एक राजनीतिक युद्ध छिड़ गया था जब सीबीआई की एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि एफबीयू राजनीतिक जासूसी में शामिल था।

शिंदे के नेतृत्व में पहली बैठक, पेश हुए वीर सावरकर को भारत रत्न का प्रस्ताव

मुंबई। चुनाव आयोग की ओर से शिवसेना का नाम और चुनाव चिह्न शिंदे गुट को देने के बाद मंगलवार को ही महाराष्ट्र सीएम एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में पार्टी की पहली राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक हुई। इसमें शिंदे को पार्टी का प्रमुख चुन लिया गया। इतना ही नहीं बैठक में कई अहम प्रस्ताव भी रखे गए। इनमें वीर सावरकर को भारत रत्न की मांग से लेकर मराठी को कुलीन भाषा का दर्जा देने की मांग भी शामिल रही। पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में उद्धव गुट से टूटकर शिंदे के साथ आए विधायक, सांसद और शिवसेना के अन्य नेता शामिल हुए। सभी शिंदे के उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली पार्टी से अलग होने के बाद से उनके साथ काम कर रहे हैं। वीर सावरकर को भारत रत्न देने का प्रस्ताव भी बैठक के दौरान लाया गया। चर्चगेट रेलवे स्टेशन का नाम पूर्व केंद्रीय वित्त मंत्री चिंतामनराव देशमुख के नाम पर करने का प्रस्ताव। राज्य में सभी परियोजनाओं में 80 फीसदी रोजगार भूमिपुत्रों, स्थानीय युवाओं को देने का प्रस्ताव।

जम्मू-कश्मीर में यदि स्थिति सामान्य है तो चुनाव कराए केंद्रः फारूक अब्दुल्ला

श्रीनगर। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने बुधवार को कहा कि अगर केंद्रशासित प्रदेश में स्थिति सामान्य होने का केंद्र का दावा सही है तो उसे जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव कराना चाहिए। श्रीनगर से लोकसभा सदस्य अब्दुल्ला ने यह आरोप भी लगाया कि केंद्र सरकार जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने के मुद्दे पर लोगों के साथ नौटंकी कर रही है। उन्होंने पीटीआई-से कहा, वे (केंद्र) राज्य का दर्जा बहाल नहीं करना चाहते। यह सब हमें और दुनिया को गुमराह करने की नौटंकी है। वे यह नहीं देंगे। अब्दुल्ला ने कहा, सवाल उठता है कि भारत सरकार कह रही है कि जम्मू कश्मीर में स्थिति सामान्य है। सीमांकन की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। अगर चुनाव हर जगह कराए जा रहे हैं तो जम्मू-कश्मीर में क्यों नहीं?'' पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र ने उपराज्यपाल को ''हर चीज का मास्टर'' बना दिया है। उन्होंने कहा, ''यहां उपराज्यपाल को क्यों लगाया गया है और वह हर चीज के मास्टर बन गए हैं।

शिंदे की जीत सिर्फ बड़ी ही नहीं बल्कि है असाधारण

अभिनय आकाश

शिवसेना के इतिहास में पहली बार कोई गैर-ठाकरे पक्ष प्रमुख बना है। एकनाथ शिंदे न केवल उद्धव ठाकरे को मुख्यमंत्री के पद से हटाने में सफल रहे, बल्कि पार्टी अध्यक्ष के पद से भी उनकी विदाई करा दी। एक ऐसा पद जो उद्धव ठाकरे से पहले स्थायी रूप से पार्टी के संस्थापक बालासाहेब ठाकरे के पास था। पिछले हफ्ते, भारत के चुनाव आयोग ने विभिन्न कारणों का हवाला देते हुए एकनाथ शिंदे के पक्ष में फैसला सुनाया, जिसमें पार्टी द्वारा अपने संविधान में किए गए संशोधन को चुनाव आयोग को अधिसूचित नहीं किया गया था। चुनाव आयोग ने एकनाथ शिंदे को पार्टी का नाम शिवसेना और पार्टी का चुनाव चिन्ह धनुष और तीर सौंप दिया। चुनाव आयोग का फैसला शिंदे के लिए अचानक उपहार के रूप में आया और उद्धव ठाकरे खेमे को भारी झटका लगा।

सरनेम पर भारी पड़ा संख्याबल : ठाकरे खेमा उम्मीद कर रहा था कि सिंबल और पार्टी उनके पास ही रहेगी क्योंकि उनका ठाकरे सरनेम था। हालाँकि, संसद के अधिकांश निर्वाचित सदस्य (सांसद) और विधान सभा के सदस्य (विधायक) एकनाथ शिंदे के पक्ष में थे। यहां तक ??कि बालासाहेब ठाकरे के करीबी सहयोगी थापा, जिन्होंने उद्धव के साथ मिलकर वरिष्ठ ठाकरे की चिता को मुखाग्नि दी थी, उन्होंने भी ठाकरे के आधिकारिक निवास मातोश्री के बजाय शिंदे को चुना। यह सब उद्धव और उनके खेमे के लिए यह समझने के लिए काफी था कि पार्टी उनसे दूर होती जा रही है।

हर गुजरते दिन के साथ खिसकता गया कुनबा : जून 2022 से हर गुजरते दिन के साथ, जब महाराष्ट्र में सत्ता परिवर्तन हुआ तो सबसे वरिष्ठ, कनिष्ठ और यहां तक ??कि मध्य क्रम के नेताओं ने शिंदे से हाथ मिला लिया। उद्धव ठाकरे, उनके बेटे और उनकी मंडली के खिलाफ शिवसैनिकों की सबसे बड़ी शिकायत यह थी कि पार्टी ने कांग्रेस और एनसीपी के

साथ गठबंधन किया था, जिसके साथ पार्टी का वैचारिक मतभेद था। बालासाहेब ठाकरे ने कई मौकों पर कांग्रेस पार्टी के लिए अपनी नाराजगी जाहिर की थी और जब उद्धव मुख्यमंत्री पद के लिए महा विकास अघाड़ी (एमवीए) गठबंधन में शामिल हुए, तो यह पार्टी की विचारधारा के लिए एक झटका था। यह हाल ही में वर्ली में दिखाई दिया, एक निर्वाचन क्षेत्र जिसका प्रतिनिधित्व आदित्य ठाकरे करते हैं, जहां मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को स्थानीय लोगों द्वारा सम्मानित किया गया था।

आदित्य ठाकरे के खिलाफ नजर आएंगे निहार ठाकर :

इस क्षेत्र में मछुआरा समुदाय का एक गाँव वर्ली कोलीवाड़ा भी है, जिनमें से अधिकांश ने रैली में भाग लिया और आदित्य के खिलाफ खुलकर अपनी नाराजगी व्यक्त की। कहा जाता है कि एक मंत्री होने के बावजूद वो मछुआरों की बुनियादी समस्या को हल करने में असमर्थ थे, जबकि सीएम की कुर्सी संभालने के कुछ ही महीने के भीतर शिंदे ने इसे हल किया। यह इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि वर्ली कोलीवाड़ा निगम सीट से दो दशक से अधिक समय से शिवसेना का प्रत्याशी रहा है। आदित्य को इस सीट को जीतने के लिए वर्ली से एनसीपी के पूर्व विधायक सचिन अहीर सहित सभी मजबूत दावेदारों को शिवसेना के पाले में लाना पड़ा। लेकिन अब कहा जा रहा है कि आदित्य को टक्कर देने के लिए शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना उनके चचेरे भाई निहार ठाकरे को इस सीट से उम्मीदवार बनाने की योजना बना रही है. निहार बालासाहेब ठाकरे के बड़े बेटे बिन्दुमाधव ठाकरे के बेटे हैं। इससे एकनाथ शिंदे की भविष्य की तैयारी की झलक मिलती है।

चुनाव आयोग की लड़ाई में शिंदे की जीत क्यों मानी जा रही असाधारण : मुंबई में 200 से अधिक शाखाएँ, जो क्षेत्र के नागरिकों के बीच छोटे से छोटे झगड़े को सुलझाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं, ये अब शिंदे के नियंत्रण में होंगी। ये शाखाएं वे शक्ति केंद्र हैं जिन पर उद्धव बीएमसी चुनाव में जीत के लिए भरोसा कर रहे थे, लेकिन अब उनके लिए यह प्रभाव डालने की संभावना नहीं है। साथ ही, जबकि शिवसेना के अधिकांश निर्वाचित प्रतिनिधियों ने एकनाथ शिंदे का पक्ष लिया है और उनके व्हिप का पालन कर रहे हैं, यहां तक ??कि उन विधायकों और सांसदों को भी जो अभी भी उद्धव ठाकरे के साथ हैं, उन्हें शिंदे के व्हिप का पालन करना होगा या अपना पद गंवाना होगा। अमित शाह ने अपने हालिया भाषण में, उद्धव ठाकरे का नाम लिया और कहा कि किसी को कभी भी उसे माफ नहीं करना चाहिए जो उनकी पीठ में छुरा घोंपता है। उद्धव को अपने स्वयं के गठबंधन सहयोगियों से भी समर्थन नहीं मिला, एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने उन्हें नए सिरे से शुरू करने और ईसीआई के फैसले को स्वीकार करने के लिए कहा। इन सबके बीच हर गुजरते दिन के साथ उद्धव ठाकरे की राह मुश्किल होती जा रही है।

अभी लड़ाई बाकी है : एकनाथ शिंदे और उनकी शिवसेना ने विधायिका में पार्टी कार्यालय पर दावा किया है और दादर के शिवाजी पार्क में शिवसेना भवन - जो पार्टी का मुख्यालय रहा है पर भी दावा किया गया है। सेना भवन के दावे को लेकर दोनों गुटों के बीच एक बड़ी खींचतान शुरू हो गई है, यह तो समय ही बताएगा कि किसे मिलेगा, लेकिन लड़ाई शुरू हो गई है। शिंदे खेमे को धनुष और बाण चिन्ह मिलने के साथ, उद्धव को नगर निगमों के चुनावों की घोषणा से पहले एक प्रतीक और एक नए नाम की तलाश करनी होगी।

कांग्रेस सरकार के राज में जनता परेशान हैं : विकल गुप्ता

नगरी। भाजपा मंडल कुकरेल के शक्ति केन्द्र बाजारकुर्रीडीह और शक्ति केन्द्र सलोनी के भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक ग्राम छुही में सम्पन्न हुआ जिसमें विशेष रूप से भाजपा मंडल कुकरेल के प्रभारी विकल गुप्ता ने उपस्थित होकर कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन दिया।

कार्यकर्ताओं संबोधित करते हुए मंडल प्रभारी विकल गुप्ता ने कहा कि आज भूपेश बघेल के कांग्रेस सरकार के राज में जनता परेशान है किसान हलाकान है। प्रदेश की महिलाएँ अपने आप को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। गरीबों को उनके हक का प्रधानमंत्री आवास नही दिया जा रहा है। ऐसे भूपेश बघेल कांग्रेस सरकार को हराने की बात कही।

इस अवसर पर कुकरेल मंडल अध्यक्ष वामन साहू, महामंत्री अजय यादव, संजय शांडिल्य, महिला मोर्चा अध्यक्ष ईश्वरी नेताम, महामंत्री रीतु साहू, जिला पंचायत सदस्य अनीता ध्रुव, बूथ अध्यक्ष लक्ष्मीकांत साहू, डागेशवर चन्द्राकर निरंजन साहू, वनलाल साहू, सियाराम साहू, बूथ पालक भानुप्रताप साहू, शत्रुहन साहू, टिकेश्वर साहू, पोषण साहू, टेमन निषाद, यादों राम साहू, राजेश सिन्हा, प्रीतम साहू, पवन साहू, तीरथ राम साहू, सुरेश कुमार, यशपाल साहू, केश कुमार सिन्हा, अजय ध्रुव, श्रीमती यामिनी सिन्हा, दयाबती साहू, मीना बाई निषाद, शान्ति बाई सिन्हा, टिकेश्वरी बाई पटेल, नारायणी बाई, रम्भा बाई ध्रुव, कौशिल्या बाई, केकती बाई साहू, बिन्दु बाई साहू, कृष्णा बाई सिन्हा, नरेश कुमार मरकाम परस राम ध्रुव, दिलीप कुमार सिन्हा, हेमलाल साहू शक्ति केन्द्र प्रभारी, बूथ अध्यक्ष बेदलाल साहू, मिश्रा राम ध्रुव सहित काफी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

वामन साहू भाजपा मंडल कुकरेल के अध्यक्ष नियुक्त, कार्यकर्ताओं ने दी बधाई

नगरी। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अरूण साव एवं प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय की सहमति से भाजपा जिला अध्यक्ष ठाकुर शशि पवार ने भाजपा मंडल कुकरेल के लिए क्षेत्र के तीन बार के जनपद सदस्य रहे ऊर्जावान युवा नेता वामन साहू को भाजपा मंडल कुकरेल का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है

वामन साहू के मंडल अध्यक्ष नियुक्त होने पर कांकेर लोकसभा के सांसद मोहन मंड़ावी, पूर्व विधायक एवं भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय मंत्री पिंकी शिवराज शाह, भाजपा जिला प्रभारी नीलू शर्मा, सह जिला प्रभारी हलधर साहू, पूर्व विधायक सिहावा श्रवण मरकाम, भाजपा जिला महामंत्री प्रकाश बैस,कुकरेल मंडल प्रभारी विकल गुप्ता, नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती अराधना शुक्ला, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष नागेन्द्र शुक्ला, जनपद अध्यक्ष श्रीमती दिनेश्वरी नेताम, जनपद उपाध्यक्ष हुमित लिमजा, भाजपा जिला मंत्री राजेन्द्र गोलछा, जिला पंचायत सदस्य द्वय अनीता ध्रुव, खुबलाल ध्रुव, सरपंच नरेश दीवान, सरपंच सियाराम ध्रुव, सरपंच महेश गोटा, सरपंच महेन्द्र नेताम, सरपंच तुलसी राम मंड़ावी, सरपंच ईश्वरी ध्रुव, सरपंच पुष्पलता ध्रुव, उप सरपंच भानुप्रताप साहू, जनपद सदस्य शैलेन्द्र साहू, सांसद प्रतिनिधि मोहन पुजारी, पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष राजाराम मंड़ावी, पूर्व जिला पंचायत सदस्य प्रेमलता नागवंशी, मानिकपुरी पनिका समाज के तहसील अध्यक्ष कोमल दास, उप सरपंच दिनेश साहू, मोहन दास, निरंजन साहू, बेदराम सिन्हा, अजय यादव, खुबलाल निषाद, मयाराम विश्वकर्मा, राकेश पटेल, संतोष कुमार ध्रुव, हेमलाल ध्रुव, गौतम साहू,अश्वनी साहू, सरपंच परदेशी राम ध्रुव, भरत लाल साहू सहित समस्त भाजपा कार्यकर्ताओं ने बधाई दी है।

अजजा मोर्चा के जिलाध्यक्ष महेन्द्र की अगुवाई में उमरगांव के 20 युवा भाजपा में हुए शामिल

नगरी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की केन्द्रीय योजनाओं एवं भाजपा की कार्य शैली से प्रभावित होकर अजजा मोर्चा के जिलाध्यक्ष महेन्द्र नेताम की अगुवाई में हर्रापारा उमरगांव के अजजा वर्ग के 20 युवाओं और महिलाओं ने भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। भारतीय जनता पार्टी बेलरगांव के मंडल अध्यक्ष अकबर कश्यप, जनपद अध्यक्ष दिनेश्वरी नेताम, उपाध्यक्ष हुमित लिमजा, सांसद प्रतिनिधि मोहन पुजारी चंद्रभान यादव, महेश पुजारी ने सभी नवप्रवेशी सदस्यों को भाजपा फेंटा और श्रीफल भेंट कर भाजपा की सदस्यता दिलाई। भाजपा प्रवेश करने वालों में एकनाथ नेताम, योगेश मरकाम, परमेश्वर मरकाम लता कोडोपी, ओमवती कुंजाम, केजई नेताम,राजेश्वरी मरकाम, अनिता मरकाम, रुक्मणी मरकाम, चूमेश नेताम, गणेश मंडावी, देवराज मरकाम, विजय मरकाम, सोगन मरकाम, नंदकुमार वट्टी, अमरसिंह कुंजाम, सोमन मरकाम, नंदकुमार वट्टी, राजू नेताम, मनोज कुंजाम, भीष्मा नेताम, मनोज कुंजाम, सुधलाल मंडावी आदि ने भाजपा की सदस्यता ली। भाजपा प्रवेश करने वाले सभी लोगों ने कहा कि हम स्वेच्छा से पार्टी प्रवेश कर रहे हैं। अजजा मोर्चा जिला धमतरी जिलाध्यक्ष महेन्द्र नेताम और मंडल अध्यक्ष अकबर कश्यप ने कहा कि अभी तो शुरुआत है आगामी समय में कांग्रेस सहित अनेक लोग भाजपा में आने आतुर हैं।

भूपेश सरकार ने गांव-गांव में रामायण करवाने की शुरुआत की : लक्ष्मी ध्रुव

मानस सम्मेलन में विधायक ने उपस्थित होकर आयोजक समिति का बढ़ाया हौसला

नगरी। राम सेवा एंव मानस सम्मेलन समिति के तत्वावधान में छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय संगीतमय 9 दिवसीय मानस गान सम्मेलन का आयोजन मानस ग्राम सांकरा में जारी है। गांव में 32 वर्षो से यह अयोजन किया जा रहा जिसमे हर साल भक्ति की अविरल छटा बिखरती है। गांव के लोगो को सम्मेलन का बेसब्री से इंतजार रहता है, भक्ति भावना के साथ गांव में उत्साह का माहौल नजर आता है। इस साल सम्मेलन में कुल 94 मानस मंडलियां भाग ले रही है। मर्यादा पुरुषोत्तम राम चन्द्र भगवान के संदेश को घर घर तक पहुचाने का काम किया जा रहा है। सम्मेलन के सातवे दिन सिहावा विधायक डॉ लक्ष्मी ध्रुव ने उपस्थित होकर आयोजन समिति का उत्साह बढ़ाया। डॉ ध्रुव ने कहा कि किसी भी सामूहिक कार्य को 32 वर्ष तक बनाये रखना बहुत बड़ी उपलब्धि है, निश्चित ही मानस सम्मेलन समिति सांकरा बधाई की पात्र है। सांकरा की एकता, भाईचारा, संगठन एक मिसाल है, अन्य गांव के लोगो को भी ऐसे आयोजन से प्रेरणा मिलती है। गांव के सभी लोग भक्ति भावना से ओतप्रोत होकर कार्यक्रम में सहयोग प्रदान कर रहे यही इस आयोजन की सफलता का राज है, सामूहिक प्रयास से किया गया कार्य जरूर सफल होता है। आगे कहा कि

छत्तीसगढ़ की भूपेश सरकार ने भी बहुत अच्छी पहल करते हुए गांव-गांव में रामायण करवाने की शुरुआत की है। जनपद पंचायत के माध्यम से गांवो में तथा नगर पंचायत, नगर निगमो के माध्यम से शहरों में रामायण प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। क्लस्टर बनाये गए है, सबसे पहले गांव में प्रतियोगिता फिर कलस्टर के साथ चयन होगा फिर ब्लॉक लेबल पर होगा, पूरे जिले भर के ब्लॉक लेबल के मानस मंडली को जिला स्तरीय आयोजन में प्रस्तुति देने का मौका मिलेगा उसके बाद सम्भाग स्तरीय व आखिर में राज्यस्यरीय प्रतियोगिता में मानस मंडली प्रस्तुति देंगी। विजेता मंडली को प्रथम 5 लाख, दूसरा 3 लाख व तीसरा इनाम 2 लाख रुपए शासन द्वारा दिया जा रहा है। इस आयोजन से गांव-गांव में भक्ति का माहौल बना है। निश्चित तौर पर इससे रामराज की स्थापना होगी। राजिम मेला में श्रीलंका व वियतनाम की मंडलियों ने तक हिस्सा लिया है इससे पता चलता है कि छत्तीसगढ़ में आयोजित स्पर्धा की चर्चा विदेशों में तक हो रही है। मानस गान को बढ़ावा देने सीएम भूपेश बघेल द्वारा किया जा रहा प्रयास सराहनीय है। इस अवसर पर पारस साहू उपसरपंच सांकरा, भूषण साहू अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस कमेंटी नगरी, राजेंद्र कुमार सोनी सदस्य कृषि उपज मंडी नगरी, एलएल ध्रुव, अजित सिंग वर्मा, साहनु राम साहू, राजेश नाथ गोसाई, महेश साहू, नागेंद्र बोर्झा, पूनमचंद सिन्हा, कुमेश साहू और बडी संख्या में जय माँ दंतेश्वरी युवा समिति, महिला प्रकोस्ट, ग्राम पंचायत सांकरा के समस्त पंच गण,सहित आयोजन समिति के सभी सदस्य गण बढ़ चढ़ कर सम्मेलन को सफल बनाने हिस्सा ले रहे है।

छत्तीसगढ़ के 94 मानस मंडलियों ने भाग लिया

राम सेवा एवम् मानस सम्मेलन समिति सांकरा (नगरी) के तत्वाधान में छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय विराट नौ दिवसीय राम चरित मानस सम्मेलन का सफल आयोजन किया गया। जिसमें छत्तीसगढ़ के 94 मानस मंडलियों ने भाग लिया। आयोजन समिति के अध्यक्ष अजीत वर्मा, उपाध्यक्ष द्वय साधुराम साहू, राजेश नाथ गोसाई,कोषाध्यक्ष महेश साहू, सचिव नागेन्द्र बोरझा, सह सचिव द्वय पूनमचंद सिन्हा, कुमेश साहू एवम् ग्राम पंचायत सांकरा के जनपद सदस्य श्रीमति सुलोचना साहू, सरपंच श्रीमति शशि ध्रुव, उप सरपंच पारस साहू, वार्ड पंच कृपाराम नाग, गजेन्द्र भण्डारी, श्रीमती अनसुइया मरकाम, रविन्द्र नाथ मरकाम, कार्तिक राम कश्यप, श्रीमती पिंकी मल्होत्रा, श्रीमती देवबती साहू, बलराम ठाकुर, श्रीमती रामबाई साहू, श्रीमती फुलेश्वरी साहू, श्रीमती जयसाहू, हेमलाल ध्रुव सहित ग्रामवासियो का विशेष सहयोग रहा।

पाटन में हाथ से हाथ जोड़ो पद यात्रा का आयोजन

पाटन। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार हाथ से हाथ जोड़ो यात्रा नगर पंचायत पाटन में अध्यक्ष भूपेंद्र कश्यप नेतृत्व में मंगलवार पाटन के सुभाष चौक वॉर्ड 10 एवम ब्राम्हण पारा वॉर्ड 11 साथ महामाया पारा वॉर्ड 12 में भ्रमण किया गया। हाथ से हाथ जोड़ो यात्रा के माध्यम से प्रदेश में चल रहे विभिन्न योजनाओं एवम नगर में चल रहे विकास कार्यों का पूरी जानकारी आम जन मानस तक पहुंचाया जा रहा है।हाथ से हाथ जोड़ो यात्रा में प्रमुख रूप से-भूपेंद्र कश्यप (अध्यक्ष नगर पंचायत पाटन),बलदाऊ भाले (उपाध्यक्ष नगर पंचायत पाटन), पुरुषोत्तम कश्यप (सेक्टर प्रभारी), विजय पांडे, विनय पटेल, श्रीकांत देवांगन, पार्षद साथी कैलाश देवांगन, जय छदैया, अशोक ठाकुर, आभास दुबे, मनीष देवांगन, सतीश देवांगन, बिसौहा देवांगन, विनय पटेल, सुनील सोनी, संतोष मालवीय, बाबा खान, अनिरुद्ध नाग, नीरज सोनी, आदित्य तिवारी, संदीप कश्यप, मोती बघेल, मनोज वर्मा, दिनेश शर्मा, दिलवाले नेताम, सत्या साहु, गौतम कौशिक, निशांत त्रिपाठी, पुरेंद्र ठाकुर, धनेश्वर वर्मा सहित सैकड़ों की संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता लगातार हाथ से हाथ जोड़ो यात्रा के तहत वॉर्ड भ्रमण कर रहे है।

पुरैना में हाथ से हाथ जोड़ो अभियान सम्पन्न

रिसाली। नगर पॉलिक निगम रिसाली के वार्ड क्रमाक 38,39,40 पुरैना मे ब्लाक कांग्रेस कमेटी 6 द्वारा आयोजित हाथ से हाथ जोड़ो पद यात्रा का आयोजन किया गया। अभियान में यात्रा प्रभारी श्रीमती सरिता जितेंद्र साहू के सयोजन में हर वार्ड में पद यात्रा की जा रही है।इस अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी6 के अध्यक्ष मुकूंद भाऊ महामंत्री चंद्रकांत कोरे महिला ब्लाक अध्यक्ष श्रीमती हेमीन चतुर्वेदी एन एस यु आई कांग्रेस से सुरेन्द्र बाघ मारे जाकिर अहमद अवधेश यादव विनोद गुप्ता शितल यादव नगर पालिका निगम रिसाली कि प्रथम महापौर श्रीमती शशि अशोक सिन्हा महापौर परिषद के सदस्य गोविंद चतुर्वेदी अनुप डे श्रीमती ईश्वरी साहू चंद्रभान सिंह ठाकुर पार्षद टिकम साहू रोहित धनकर स्थानिय पार्षद श्रीमती रंजीता बेनुवा पार्वती महानंद श्रीमती शिला नारखेड़े डोमन बारले एलडरमेन श्रीमती संगीता सिंग मो. निजाम संतु दास मानिक पुरी तरुण बंजारे जी राहुल राज श्रीमती राजेशवरी पसीने जी श्रीमती अनुपमा गोस्वामी ममता सोनी श्यामल राव राजकुमार यादव सुर्याराव जी पार्थो महानंद सुरजकांत धननूनाग रामू लहरें प्रेम साहू आदि शामिल हुए।

राजस्व अमले के 6 पटवारी निलंबित

दुर्ग। राजस्व अधिकारियों की आज हुई बैठक में कलेक्टर ने स्थानीय राजस्व अमले के कार्य की समीक्षा की इसमें उन पटवारियों पर निलंबन की कार्रवाई की गई जो हल्के पर समय पर नहीं रहते थे तथा जिन्होंने शासकीय कार्यों के प्रतिपादन में लापरवाही की। राजस्व अमले के जिन पटवारियों पर कार्रवाई की गई। उनमें धमधा हल्का नंबर 1 के पटवारी केशव लाल साहू शामिल हैं। इन्होंने त्रुटिपूर्ण गिरदावरी की थी और काम पर सक्षम अधिकारी की अनुमति के बगैर अनुपस्थित रहे। पटवारी हल्का नंबर 50 धमधा के श्री लोकेश्वर सिंह ठाकुर पर पटवारी हल्के में समय पर नहीं रहने की वजह से कार्रवाई की गई। पटवारी हल्का नंबर 49 के पटवारी नवीन मिश्रा पर समय पर हल्के में नहीं रहने की वजह से कार्रवाई की गई। साथ ही आम जनता से भी सौहार्दपूर्ण व्यवहार नहीं होने की शिकायत थी। धमधा तहसील के पटवारी हल्का नंबर 38 के पटवारी योगेश कुमार बँधेया पर भी कार्रवाई की गई। इन्होंने शासकीय दायित्व को समय पर पूरा नहीं किया। पटवारी हल्के पर समय पर नहीं रहते थे और ग्रामीणों सौहार्दपूर्ण व्यवहार नहीं था। पाटन के पीकेश जायसवाल पटवारी हल्का नंबर 53 गातापार को स्थानांतरण के पश्चात भी कार्यभार ग्रहण नहीं करने पर कार्रवाई की गई।पटवारी हल्का क्रमांक 46 बीजभाठा के पटवारी ईश्वर सेवई पर समीक्षा बैठक में अनुपस्थित रहने तथा प्रतिवेदन विलंब से देने की वजह से कार्रवाई की गई।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

15 साल के भ्रष्टतम कार्यकाल बनाने वाले रमन बताएं अडानी पर छापा क्यों नहीं : राजेन्द्र

दुर्ग। छत्तीसगढ़ में ईडी की छापामार कार्रवाई को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के भारतरत्न वाले बयान पर जिला सहकारी केन्दीय बैंक दुर्ग के अध्यक्ष व प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री राजेंद्र साहू ने करारा हमला बोला है। राजेंद्र ने कहा कि डॉ. रमन सिंह पहले यह बताएं कि 15 साल के कार्यकाल में हुए दर्जनों भ्रष्टाचार और छत्तीसगढ़ की जनता से की गई लूटखसोट याद है या नहीं। राजेंद्र ने रमन सिंह से आगे सवाल किया है कि देश के सबसे बड़े घोटाले के सूत्रधार अडानी पर छापेमारी क्यों नहीं की जा रही है छापेमारी नहीं कर रहे तो क्या रमन सिंह की पार्टी राजेंद्र ने कहा कि रमन सिंह को।

अनोखा प्रदर्शन, सड़क पर भीख मांगते नजर आए कर्मचारी

धमतरी। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता-सहायिका संयुक्त मंच धमतरी द्वारा भीख मांगकर अपनी मांगों को लेकर अनोखा विरोध प्रदर्शन किया गया। इस दौरान कार्यकर्ता और सहायिकाओ ने कोतवाली, एसडीएम, तहसील और नगर निगम कार्यालय में पहुंचकर भीख मांगाज.इसके साथ ही गांधी मैदान के आसपास के दुकानो और राहगीरो से भी भीख मांगा गया। आगनबाडी कर्मचारियो का कहना है हडताल के चलते रहने खाने और पंडाल व्यवस्था के लिए काफी परेशानी हो रही हैज.ऐसे में हाथो में कटोरा लेकर लोगो से सहयोग मांगा गया है। बता दे कि जब तक शासकीय कर्मचारी घोषित नही किया जाता तब तक कलेक्टर दर पर मानदेय देने सहित 6 सूत्रीय मांगो को लेकर आगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका अनिश्चितकालीन हडताल पर बैठे हुए है।

लैंको पॉवर प्लांट से लोहे की चोरी, पांच पकड़ाया

कोरबा। कोरबा के ग्राम कुदूरमाल में ग्रामीणों ने पांच कबाड़ चोरों को पकड़कर उनकी जमकर पिटाई की। इस घटनाक्रम का वीडियो सोशल मीडिया में जमकर वायरल हो रहा है। लैंको के रिवर इंटेक से लोहे के पाईप की चोर कर भाग रहे पांच कबाड़ चोरों को ग्रामीणों ने दौड़ाकर पकड़ा। फिर पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस को चोरों के पास चोरी का माल, पिकअप और स्कॉर्पियो वाहन के साथ ही गैस कटर और सिलेंडर मिला है। उरगा थाना क्षेत्र के ग्राम कुदूरमाल में मौजूद लैंको पॉवर प्लांट के रिवर इंटेक से लोहे के खंबे की चोरी कर भाग रहे कबाड़ चोरों को ग्रामीणों को रंगे हाथ पकड़ लिया। रात के अंधेरे में ग्रामीणों के हत्थे चढ़े कबाड़ चोरों की जमकर पिटाई की गई। सुबह होने पर ग्रामीणों ने कबाड़ चोरों को पुलिस के हवाले कर दिया। इस मामले में उरगा पुलिस ने आरोपियों के पास से एक पिकअप और स्कॉर्पियो वाहन को जब्त किया है इसके साथ ही चोरी के लोहे के खंबे के साथ ही गैस कटर व सिलेंडर और 20 हजार रुपये भी जब्त किया गया है।

अवैध शराब बेचने वाले दो को पुलिस ने किया गिरफ्तार

बलौदाबाजार। बलौदाबाजार के भाटापारा में थाना कसडौल की पुलिस चौकी सोनाखान को बड़ी सफलता मिली है। अधिकारियों के निर्देश के बाद पुलिस ने अवैध तरह से शराब की बिक्री करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों के पास से 70 पौवा व नकदी बरामद की हुई है। जानकारी के अनुसर ग्राम भुसडीपाली में अवैध देशी प्लेन एवं गोवा स्पेशल विस्की शराब को आरोपी बेचते थे। उप महानरीक्षक वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार झा द्वारा निर्देशित किया गया है कि अवैध तरह से शराब बेचने वालों पर कार्रवाई की जाए। जिसके बाद अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सचिंद्र चौबे और उपुअ मुख्यालय अभिषेक सिंह के दिशा निर्देश पर निरीक्षक कैलाश चंद दास थाना प्रभारी कसडोल के नेतृत्व में पुलिस चौकी सोनाखान प्रभारी राजेन्द्र पाटिल ने शराब कोचियों पर कार्रवाई कर अवैध रूप से शराब बेचने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। आरोपियों से अवैध गोवा स्पेशल विस्की 46 पौवा और देशी प्लेन 24 पौवा शराब कुल 70 पौवा बरामद की।

एड्स बीमारी की जागरूकता के लिए रथ रवाना

कोरबा। एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के अतंर्गत जिले में कला दल के माध्यम से एड्स के संबंध में जानकरी एवं बचाव हेतु कला जत्था जन जागरूकता रथ को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.एस.एन. केसरी ने हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। जागरूकता रथ एवं कला जत्था दल 21 फरवरी से 12 मार्च 2023 तक जिले के शहरी क्षेत्रों तथा समस्त विकासखण्डों में भ्रमण कर एड्स बीमारी के संबंध में लोगों को जागरूक करेंगे। इस दौरान कला जत्था दल गायन, नृत्य, तथा नाटक के माध्यम से लोगों को एड्स बिमारी के लक्षण तथा उसके बचाव के संबंध में जागरूक करेगें। रथ रवानगी कार्यक्रम के दौरान डॉ.जी.एस. जात्रा, नोडल अधिकारी एड्स, डॉ. के.के. देवांगन, जिला टीकाकरण अधिकारी, डॉ. अशरफ अंसारी, जिला कार्यक्रम प्रबंधक, तथा कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के समस्त कर्मचारी तथा एड्स कार्यक्रम से संबंधित कर्मचारी मौजूद रहे।

जन्म, विवाह और मृत्यु संस्कार को गोंड़ी रीति निभायें : दिनेश्वरी

- सिंगपुर में गोंड़ समाज सम्मेलन में शामिल हुए जनप्रतिनिधि
- 5 जोड़ा सामाजिक विवाह संपन्न हुआ

नगरी। आदिवासी ध्रुव गोंड समाज, सिंगपुर परिक्षेत्र का वार्षिक सम्मेलन सिंगपुर में संपन्न हुआ । समापन अवसर पर मुख्य अतिथि माधवसिंग ठाकुर अध्यक्ष मगरलोड, बिंझवार सिंह सोरी अध्यक्ष सिंगपुर, विशेष अतिथि जनपद अध्यक्ष नगरी एवं जिला गोंड़ समाज की महिला अध्यक्ष दिनेश्वरी नेताम, जिला उपाध्यक्ष महेन्द्र नेताम, जगन्नाथ मंडावी उपाध्यक्ष एवं मुड़ा के पदाधिकारियों ने देवठाना में प्रकृति शक्ति की पूजा अर्चना की। अतिथियों का पारंपरिक रूप से पीला चांवल एवं पगड़ी बांधकर स्वागत किया गया। जनपद अध्यक्ष दिनेश्वरी नेताम ने समाज में महिलाओं की भूमिका को आवश्यक बताया तथा अधिक से अधिक महिलाओं को समाजिक एवं राजनीतिक क्षेत्र में जागरूक होकर आगे आने को कहा । समाज में सामूहिक विवाह पर बल देते हुए शराबबंदी पर अपनी बात रखी एवं अधिक से अधिक बेटियों को शिक्षा क्षेत्र में आगे आने को कहा। विशिष्ट अतिथि महेंद्र नेताम ने समाज में गोंड़ी संस्कृति के तीन संस्कार जन्म, विवाह एवं मृत्यु संस्कार पर गहन चर्चा कर परंपरा के अनुसार निभाने हेतु निवेदन किया। गोंड़ समाज अपने तीनों संस्कार को दिखावा के चक्कर में भूलते जा रही है । छट्ठी एवं दहेज में अनावश्यक समान की जगह नकद राशि भेंट करने का निवेदन किया। रूढ़िगत परंपरा के साथ-साथ अपने संवैधानिक अधिकारों के प्रति भी सजग रहना होगा। अभी आदिवासी समाज संवैधानिक संकट के दौर से गुजर रहा है। क्षेत्र में पेसा कानून का दुरुपयोग हो रहा है। प्रतिभाशाली छात्र छात्राओं को भी सम्मानित किया गया। आखिर में 5 जोड़ों का सामूहिक विवाह संपन्न कराया गया। अधिवेशन को सफल बनाने में बिंझवार सोरी, जगन्नाथ मंडावी, गोकुल राम ध्रुव, सियाराम सोरी, सौरव राम मंडावी, लोकेश ध्रुव, जगदेव सिंह ठाकुर, प्रहलाद ठाकुर, राजेंद्र ठाकुर, रमाकांत मरकाम, दुर्जन सिंह नेताम, सूरज सिंह कुंजाम, रामशिला कुंजाम, रिखी राम नेताम, टिकेश्वर कुंजाम, नीलेश्वर मरकाम, चमन ध्रुव, राधेश्याम ध्रुव, गोपाल सिंह ध्रुव, विदेशी राम, भागीरथी सोरी, राजेश ध्रुव, कीर्तन ध्रुव एवं समाजिकजनों का योगदान रहा।

भूखे-प्यासे धरने पर बैठे आदिवासी स्टूडेंट्स

- छात्रावास से रातभर गायब थीं 6 बच्चियां
- स्कूल में लटका ताला, अधीक्षक-अधीक्षिका को हटाने की मांग

लोरमी। मुंगेली जिले में आदिवासी छात्रावास सुरक्षित नहीं हैं. बिना परमिशन के छात्रावास से छात्राएं गायब हो जा रही हैं. जिम्मेदार नींद में हैं. कभी भी कोई अनहोनी का खतरा है. 6 छात्राओं का अचानक बिना किसी को बताए गायब हो जाना अधीक्षिका को सवालों के कटघरे में खड़ा कर दिया है. अधीक्षिका और प्रिंसिपल की लापरवाही के मद्देनजर छात्रों ने प्रबंधन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है.

बालक छात्रावास अधीक्षक, बालिका छात्रावास अधीक्षिका रीता डिंडोरे को हटाने की मांग पर आदिवासी छात्र-छात्राएं धरने पर बैठे हैं. बालक छात्रावास अधीक्षक, बालिका छात्रावास अधीक्षिका को हटाने की मांग कर रहे हैं, जबकि आदिवासी छात्राएं प्रिंसिपल पीडी ध्रुव। दरअसल, ये पूरा मामला लोरमी के बंधवा स्थित एकलव्य विद्यालय का है. जहां जिम्मेदारों की लापरवाही के कारण आदिवासी छात्र हॉस्टल का घेराव कर दिए हैं. अधीक्षिका को हटाने की मांग कर रहे हैं. प्रधानपाठक पर बिना अनुमति के आधा दर्जन छात्रों को मेला घुमाने का आरोप लगा है. बताया जा रहा है कि 6 छात्राएं रात भर छात्रावास से गायब थीं. आदिवासी छात्राएं सुबह हॉस्टल पहुंचे थे. अधीक्षिका ने छात्रों के प्रवेश करने पर रोक लगा दिया था. घंटों बवाल के बाद विभागीय अधिकारियों के हस्तक्षेप से बच्चों हॉस्टल में प्रवेश दिलाया गया।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

आज से तीन दिनों में तीन राज्य का दौरा करेंगे अमित शाह

नईदिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता अमित शाह लगातार चुनावी राज्यों का दौरा कर रहे हैं। चुनावी राज्यों में भाजपा संगठन को एकजुट रखना और कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन करना पार्टी की पहली प्राथमिकता है। और यही कारण है कि अमित शाह लगातार चुनावी राज्यों का दौरा कर रहे हैं। जानकारी के मुताबिक 23 फरवरी को अमित शाह चुनावी राज्य कर्नाटक दौरे पर जाएंगे। कर्नाटक में वह कई कार्यक्रमों में शामिल होंगे। इसके बाद वह 24 फरवरी को मध्यप्रदेश के मैहर के बाद अमित शाह सतना पहुंचेंगे। मध्यप्रदेश में भी अमित शाह के कई कार्यक्रम है। मध्य प्रदेश का दौरा खत्म करने के बाद अमित शाह 25 फरवरी को सीधे बिहार पहुंचेंगे। बिहार के बाल्मीकि नगर और पटना में भी अमित शाह के कई कार्यक्रम हैं। इसके अलावा इन राज्यों में भाजपा संगठन के नेताओं से भी अमित शाह बैठक करेंगे। अमित शाह पार्टी नेताओं के साथ बैठक के दौरान आगामी रणनीति पर भी चर्चा करेंगे।

जासूसी कांड में सिसोदिया पर सीबीआई दर्ज करेगी केस

नईदिल्ली। दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया को बड़ा झटका मिला है। केंद्र ने प्रतिद्वंद्वियों पर जासूसी के लिए मुकदमा चलाने की मंजूरी दे दी है। गृह मंत्रालय ने फीडबैक यूनिट स्नूपिंग मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया पर मुकदमा चलाने की मंजूरी दे दी है। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने मुकदमा चलाने की मंजूरी के लिए केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के अनुरोध को मंजूरी दे दी और इसे गृह मंत्रालय को भेज दिया। सप्ताहभर पहले एक राजनीतिक युद्ध छिड़ गया था जब सीबीआई की एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि एफबीयू राजनीतिक जासूसी में शामिल था। केंद्रीय एजेंसी ने कहा कि आप ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार (जीएनसीटीडी) के अधिकार क्षेत्र में आने वाले विभिन्न विभागों और स्वायत्त निकायों और संस्थानों के कामकाज के बारे में प्रासंगिक जानकारी और प्रतिक्रिया एकत्र करने के लिए एफबीयू स्थापित करने का प्रस्ताव रखा है।

चीन को लेकर एस जयशंकर पर कांग्रेस का पलटवार

नईदिल्ली। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर के चीन, राहुल गांधी और भारतीय सीमा की सुरक्षा को लेकर दिए बयान के बाद अब कांग्रेस की तरफ से पलटवार किया गया है। प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने एस जयशंकर को अब तक का सबसे असफल विदेश मंत्री करार दिया है। उन्होंने कहा कि कल भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कुछ ऐसी बातें कहीं, आप अपने राजनीतिक प्रतिद्वंवदियों के खिलाफ बयानबाजी करें। आप लगातार करते भी रहते हैं, वो कई बार फुहर होती है, कई बार इम्चैयोर होती है। लेकिन आपने चीन को लेकर जो बोला वो वाकई में चिंताजनक है। आपने भले ही राहुल गांधी का अपमान करने की कोशिश की हो। लेकिन आपने भारतीय सेना और उनके शौर्य का अपमान किया है। इसके साथ ही इस देश के भू-भागीय अखंडता पर एक बहुत बड़ा सवाल भी उठा दिया।

सीएम पद पर तनातनी को लेकर तेजस्वी ने तोड़ी चुप्पी

पटना। बिहार में मुख्यमंत्री की कुर्सी को लेकर जदयू और राजद के बीच जबरदस्त तरीके से शब्द बाण चल रहे हैं। राजद जहां एक बार फिर से तेजस्वी यादव की ताजपोशी की मांग शुरू कर दी है। तो वहीं जदयू के नेता साफ तौर पर कह रहे हैं कि 2025 तक नीतीश कुमार ही मुख्यमंत्री रहेंगे। अब पहली बार तेजस्वी यादव ने मुख्यमंत्री पद को लेकर अपनी चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि मैं बिहार का मुख्यमंत्री बनने की जल्दी में नहीं हूं। इसके साथ ही उनसे महागठबंधन में दरार पर भी सवाल पूछा गया। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि सब कुछ ठीक है। गठबंधन में किसी तरह की समस्या नहीं है। फिलहाल हम सभी लोगों का फोकस 2024 के आम चुनाव पर हैं। तेजस्वी ने साफ तौर पर कहा कि हमारा भाजपा को सत्ता से बाहर करना पहला काम है। बिहार के उपमुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि अपने निजी स्वार्थों के लिए हम सांप्रदायिक शक्तियों को सत्ता में फिर से आने नहीं देंगे।

मेघालय में कई दलों के उतरने से एनपीपी को होगा फायदा

शिलांग। मेघालय के उप मुख्यमंत्री प्रेस्टन तिनसोंग का कहना है कि राज्य में चुनाव प्रचार के लिए आ रहे विभिन्न दलों के स्टार प्रचारक यहां के मामलों से अच्छी तरह परिचित नहीं है और चुनावी मैदान में कई पार्टियों के उतरने से उनकी पार्टी नगालैंड पीपुल्स फ्रंट (एनपीपी) को फायदा होगा। मेघालय में विधानसभा चुनाव के लिए 27 फरवरी को मतदान होगा और दो मार्च को मतगणना होगी। एनपीपी को लगता है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और यूनाइटेड डेमोक्रेटिक पार्टी (यूडीपी) जैसे कई विपक्षी दलों के 60 सदस्यीय विधानसभा के चुनाव में कम से कम 48 सीटों पर उम्मीदवार उतारने के चलते उसे फायदा होगा। क्या विपक्षी मतों का विभाजन एनपीपी के लिए मददगार साबित होगा, यह पूछे जाने पर तिनसोंग ने कहा, यह निश्चित रूप से फायदेमंद होगा। मेघालय में चुनावी समर में विभिन्न दलों के बड़े नेता प्रचार के लिए आ रहे हैं।

भाजपा अध्यक्ष बोले- आज सख्त पोजिशन ले सकता है भारत

मोदी के आने से दुनिया भर में बदली देश की छवि : नड्डा

नईदिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा मोदी शेपिंग ए ग्लोबल ऑर्डर इन फ्लक्स पुस्तक के लोकार्पण समारोह में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कहा कि यह किताब इस बात पर बहस शुरू करने वाली है कि कैसे पीएम मोदी ने एक ऐसा फैसला लिया है जिसने दुनिया भर में भारत की छवि बदल दी है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि यह समझने की जरूरत है कि मोदी जी के सत्ता में आने से पहले भारत की क्या छवि थी। उन्होंने दावा किया कि अर्थव्यवस्था गिर रही थी, भारत में एक भ्रष्ट राज्य की छवि थी, बार-बार आतंकवादी हमले और स्थिर सरकार की कमी थी। सबसे दुखद बात यह थी कि पीएम की सत्ता का ह्रास हुआ।

नड्डा ने साफ तौर पर कहा कि वोट बैंक की राजनीति के कारण भारत ने इजरायल जाने की हिम्मत नहीं की। घरेलू वोट बैंक की राजनीति ने मजबूर किया और भारत इजरायल के साथ संबंध विकसित नहीं कर सका। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने लगभग 60 देशों का दौरा किया और उन्होंने 100 से अधिक विदेशी यात्राएं कीं। उन्होंने व्यावहारिक रूप से सभी पड़ोसी देशों का दौरा किया और संबंधों को मजबूत किया। उन्होंने कहा कि अतीत के विपरीत, भारत स्थिति लेने से नहीं कतराता। लंबे समय से भारत सख्त पोजिशन लेने से कतराता रहा है। हालांकि पीएम मोदी के नेतृत्व में अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर भारत जटिल मुद्दों पर स्टैंड ले सकता है। एक उत्कृष्ट उदाहरण रूस-यूक्रेन युद्ध है।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि इज़राइल और फिलिस्तीन की यात्रा। इन दो जगहों के अलग-अलग दौरों से पता चलता है कि भारत दो अलग-अलग देशों को बेहतरीन तरीके से संभालने में सक्षम है। उन्होंने कहा कि भारत के कड़े रुख की दुनिया ने सराहना की है। अपने विरोधियों के खिलाफ सर्जिकल स्ट्राइक करने का कड़ा रुख। उन्होंने दावा किया कि दुनिया का 40 फीसदी डिजिटल ट्रांजैक्शन भारत में हो रहा है। कोविड मरीजों की ट्रेसिंग और ट्रैकिंग के लिए कोविन लॉन्च किया गया। पर्यावरण के मुद्दों पर, पीएम मोदी ने नेतृत्व किया है।

उद्धव को फिलहाल सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं ईसी के फैसले पर रोक लगाने से इनकार

नईदिल्ली। चुनाव आयोग के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने वाली उद्धव गुट की याचिका पर सुनवाई हुई। वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल उद्धव ठाकरे पक्ष की ओर से दलीलें पेश की है। वहीं शिंदे गुट की तरफ से एनके कौल बतौर वकील पेश हुए। शिंदे गुट के वकील कौल ने कहा कि विरोध लोकतंत्र का सार है। शिंदे गुट के वकील ने कहा कि इन्हें पहले हाई कोर्ट जाना चाहिए थे, ये सुप्रीम कोर्ट कैसे चले गए।

सुप्रीम कोर्ट से उद्धव गुट को अभी के लिए राहत नहीं मिली है। चुनाव आयोग के फैसले को कोर्ट ने बरकरार रखा है। इसके साथ ही कोर्ट ने कहा कि जवाबी हलफनामा 2 सप्ताह के भीतर दाखिल किया जाए। इस न्यायालय के आगे के आदेशों के लंबित रहने तक, ईसीआई आदेश के पैरा 133 (IV) में दी गई सुरक्षा बनी रहेगी। उद्धव गुट की तरफ से कहा गया कि ईसीआई ने हमें शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) और उपचुनाव, 26 फरवरी तक जलती हुई मशाल दी है। यह व्यवस्था तब तक जारी रहनी चाहिए जब तक कि आप मामले की सुनवाई नहीं कर रहे हैं। अन्यथा मेरी राजनीतिक गतिविधि ठप्प हो जाएगी।

बता दें कि चुनाव आयोग ने शिवसेना के सिंबल को शिंदे गुट को आवंटित कर दिया था। जिसके विरोध में उद्धव गुट सुप्रीम कोर्ट पहुंचा था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि वो आज इस मामले पर सुनवाई करेंगे। सीजेआई डी वाई चंद्रचूड़, जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जेबी पारदीवाला की 3 जजों की बेंच ने आज इस पर सुनवाई की।

राहुल गांधी ने भाजपा पर लगाया मेघालय की संस्कृति को खत्म करने का आरोप

शिलांग। मेघालय विधानसभा चुनाव को लेकर प्रचार का दौर लगातार जारी है। 27 फरवरी को वहां विधानसभा के चुनाव होने हैं। 60 सीटों के लिए भाजपा, कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस के बीच में जबरदस्त मुकाबला है। इसके अलावा क्षेत्रीय पार्टियां भी मैदान में हैं। आज कांग्रेस के लिए प्रचार करने पहुंचे राहुल गांधी ने भाजपा और तृणमूल कांग्रेस पर जबरदस्त तरीके से निशाना साधा। उन्होंने भाजपा पर मेघालय की संस्कृति को खत्म करने का आरोप लगाया। शिलांग में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए राहुल ने कहा कि भाजपा को मेघालय की भाषा, संस्कृति और इतिहास को नुकसान नहीं पहुंचाने देंगे।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि मेघालय के लोग टीएमसी की परंपराओं- पश्चिम बंगाल में हिंसा और घोटाले से वाकिफ हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि टीएमसी ने गोवा चुनाव में बड़ी रकम खर्च की, वह भाजपा को जिताने के लिए मेघालय में भी यही कर रही है। इसके साथ ही उन्होंने भारत जोड़ो यात्रा पर भी बात की। राहुल ने कहा कि हमने भारत जोड़ो यात्रा इसलिए की क्योंकि भाजपा और आरएसएस ने हर एक संस्था पर कब्जा कर लिया है। उन्होंने कहा कि चाहे वह संसद हो, मीडिया हो, नौकरशाही हो, चुनाव आयोग हो या न्यायपालिका, ये सभी संस्थान आरएसएस की विचारधारा के निशाने पर हैं। नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए राहुल ने कहा था कि मैंने संसद में भाषण दिया था और प्रधानमंत्री से कुछ सीधे सवाल पूछे थे। मैंने प्रधानमंत्री से अडानी के साथ उनके रिश्ते के बारे में पूछा। मैंने एक तस्वीर भी दिखाई जिसमें प्रधानमंत्री मोदी, अडानी के साथ उनके विमान में बैठे हैं। उन्होंन साफ तौर कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने एक भी सवाल का जवाब नहीं दिया। राहुल ने कहा कि उन्होंने मुझसे एक प्रश्न पूछा और कहा कि मेरा नाम गांधी क्यों है, नेहरू क्यों नहीं? उन्होंने पूरी चर्चा को टाल दिया। आपने देखा कि प्रधानमंत्री मोदी जब भाषण देते हैं तो पूरे टीवी पर छा जाते हैं।

शैली ओबरॉय ने जीता दिल्ली मेयर का चुनाव

- **तीन प्रयासों के बाद चौथी बार मतदान हुआ संभव**

नई दिल्ली। एमसीडी चुनाव के बाद तमाम खींचतान के बाद आज दिल्ली को आखिरकार अपना नया मेयर मिल गई हैं। आम आदमी पार्टी की नेता शैली ओबरॉय ने ये मेयर चुनाव जीत लिया है। इस मौके पर उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने शैली ओबरॉय को जीत की बधाई देते हुए ट्वीट किया। उन्होंने बीजेपी पर तंज कसते हुए लिखा, गुंडे हार गए, जनता जीत गई... दिल्ली नगर निगम में आम आदमी पार्टी का मेयर बनने पर सभी कार्यकर्ताओं और दिल्ली की जनता का तहे दिल से शुक्रिया।

दरअसल, दिल्ली नगर निगम चुनाव के 80 दिन बाद और चौथे प्रयास के बाद बुधवार को मतदान संभव हो पाया और शैली ने बीजेपी की रेखा गुप्ता को हराकर जीत हासिल की है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद मतदान प्रक्रिया में मनोनीत सदस्यों ने कोई भूमिका नहीं निभाई। शैली को चुनाव में जहां 150 वोट मिले। वहीं, रेखा गुप्ता महज 116 वोट ही प्राप्त कर पाई। बता दें कि मेयर चुनाव के बाद अब डिप्टी मेयर और स्टैंडिंग कमेटी के सदस्यों का चुनाव होना बाकी है।

गौरतलब है कि शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार शैली ओबेरॉय अब बाकी चुनावों की अध्यक्षता करेंगी, जिसमें डिप्टी मेयर और शक्तिशाली स्थायी समिति के छह सदस्य शामिल हैं। मेयर के चुनाव के साथ ही विशेष पदाधिकारी का पद भी समाप्त हो गया है। विशेष अधिकारी के रूप में अश्विवी कुमार ने 22 मई, 2022 और 22 फरवरी, 2023 के बीच विचार-विमर्श विंग की शक्तियों को धारण किया था। नगर निगम चुनाव के बाद मेयर चुनाव के लिए तीन प्रयासों के बाद भी कुछ हाथ नहीं लगा।

दिल्ली सदन में आयोजित बैठकों में तीनों बार आप और बीजेपी पार्षदों के हंगामे के कारण चुनाव संभव नहीं हो पाया था। इसके बाद आप की ओर से शैली ओबेरॉय ने सुप्रीम कोर्ट का रूख किया था और कोर्ट से चुनाव कराने की सिफारिश की थी। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट के मामले में दखल देने के बाद यह चुनाव संभव हो पाया है।

खेल
प्रमुख समाचार

भारत का आज सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया से मुकाबला

केपटाउन। भारतीय टीम 23 फरवरी को महिला टी20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया का सामना करेगी। ऑस्ट्रेलिया की टीम जहां ग्रुप-1 के अपने सभी चार मैच जीतकर सेमीफाइनल में पहुंची है, वहीं भारतीय टीम ने अपने ग्रुप-2 के चार में से तीन मुकाबले जीतकर सेमीफाइनल में अपनी जगह बनाई है। भारतीय टीम ने पाकिस्तान, वेस्टइंडीज और आयरलैंड को हराया है, जबकि उसे इंग्लैंड के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। भारत के सामने ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम है इसलिए अगर भारत को फाइनल में पहुंचना है तो उसे किसी भी हाल में ऑस्ट्रेलिया को हराना होगा। हालांकि, ये इतना आसान नहीं होगा क्योंकि आकंड़ो को देखें तो ऑस्ट्रेलियाई टीम का पलड़ा भारी है।

इंग्लैंड ने मंगलवार को अपने आखिरी लीग मैच में पाकिस्तान को 114 रनों के बड़े अंतर से हराकर आईसीसी महिला टी-20 विश्वकप के ग्रुप-2 में अपना पहला स्थान बरकरार रखा। अब पाकिस्तान की हार से हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली भारतीय टीम को बड़ा नुकसान हुआ है।

दरअसल, अगर पाकिस्तान की टीम इंग्लैंड को बड़े अंतर से हराने में कामयाब हो जाती तो इंग्लैंड की टीम 6 अंकों के साथ भारत से कम रन रेट के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच जाता। जबकि भारत ग्रुप-2 की टॉप टीम बन जाती। इसके बाद उसका मुकाबला ग्रुप-1 की दूसरे नंबर की टीम दक्षिण अफ्रीका से होता। जो पहले ही टूर्नामेंट में इंग्लैंड और आस्ट्रेलिया से हार चुकी है लेकिन अब पाकिस्तान की इस शर्मनाक हार के बाद भारत का फाइनल का रास्ता और कठिन हो गया है क्योंकि भारतीय टीम को अब वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में आस्ट्रेलिया की मजबूत टीम की चुनौती का सामना करना होगा। जो अब तक अपने ग्रुप का एक भी मैच नहीं हारी है और ऐसा करने वाली एकमात्र टीम है।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान
प्रमुख समाचार

सेंसेक्स 928 अंक टूटा निफ्टी 17600 के नीचे पहुंचा

नई दिल्ली। लंबे समय तक ऊंची ब्याज दरों को लेकर चिंताओं और बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच प्रमुख शेयर सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में आज लगातार चौथे सत्र में गिरावट दर्ज की गई। सेंसेक्स 900 अंक से अधिक गिर गया जबकि निफ्टी ने सत्र के दौरान 17,600 के स्तर पर अपना सपोर्ट भी तोड़ दिया। बीएसई पर सभी सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण घटकर 261.4 लाख करोड़ रुपये रह गया। पिछले 4 कारोबारी सत्रों में सेंसेक्स 1,500 अंक से अधिक गिर चुका है। अदाणी समूह के शेयर में लगातार बिकवाली से भी दलाल स्ट्रीट पर मंदी का मूड बढ़ा। अदाणी एंटरप्राइजेज के शेयरों में लगभग 11 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई, जिससे अदाणी समूह के सभी 10 शेयर लाल निशान में थे। अदाणी समूह के शेयरों का मार्केट कैप करीब 40,000 करोड़ रुपये घट गया।

स्टॉक एक्सचेंज में कारोबार आज से शाम 5 बजे तक होगी

मुंबई। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने इंटरेस्ट रेट डेरिवेटिव्स के लिए कारोबार का समय बढ़ाकर शाम 5 बजे तक कर दिया है। 23 फरवरी से ही इस नए समय के हिसाब से कारोबार शुरू होगा। फिलहाल यहां पर कारोबार करने का समय इन कॉन्ट्रैक्ट्स के लिए सुबह 9 बजे से शाम साढ़े 3 बजे तक का है। इस बारे में एनएसई ने एक सर्कुलर में कहा है कि इस समय इसलिए बदला गया है ताकि इसे अंडरलाइंग मार्केट के समय के साथ मिलाया जा सके। एनएसई के सर्कुलर के मुताबिक, 'फरवरी एक्सयायरी वाले इंटरेस्ट रेट डेरिवेटिव्स के कॉन्ट्रैक्ट अब 23 फरवरी से शाम 5 बजे तक ट्रेडिंग यानी कारोबार के लिए उपलब्ध रहेंगे। सर्कुलर में यह भी कहा गया है कि इसके अलावा किसी दूसरे इंटरेस्ट रेट डेरिवेटिव कॉन्ट्रैक्ट के लिए कारोबार का समय नहीं बढ़ाया गया है।'

अडाणी की कंपनी ने एसबीआई एमएफ, आदित्य बिड़ला सन लाइफ का कर्ज चुकाया

नयी दिल्ली। अडाणी समूह की कंपनी अडाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकॉनमिक जोन ने 1,500 करोड़ रुपये का कर्ज चुका दिया है। इसके अलावा कंपनी मार्च में 1,000 करोड़ रुपये का और भुगतान करेगी। बुधवार को जारी बयान में कहा गया है कि अडाणी समूह की कंपनी ने एसबीआई म्यूचुअल फंड का सोमवार को परिपक्व हुए वाणिज्यिक पत्रों पर 1,000 करोड़ रुपये का भुगतान कर दिया है। इसी तरह आदित्य बिड़ला सन लाइफ म्यूचुअल फंड का 500 करोड़ रुपये का कर्ज चुकाया गया है। कंपनी के प्रवक्ता ने कहा कि यह भुगतान नकद शेष और कारोबारी परिचालन से मिली आय से चुकाया गया है। एसबीआई एमएफ के प्रवक्ता ने कहा कि अब कंपनी पर उसका और बकाया नहीं है।

रुपया डॉलर की जगह लेने की ताकत रखता है : रूबिनी

नई दिल्ली। भारतीय अर्थव्यवस्था की रफ्तार तेजी से बढ़ रही है। इसी के साथ भारतीय रुपये की ताकत भी बढ़ रही है। इसका लोहा अब विदेशी अर्थशास्त्री भी मान रहे हैं। अब जाने-माने अर्थशास्त्री नूरील रूबिनी के मुताबिक, भारतीय रुपया आने वाले समय में नया डॉलर हो सकता है। भारतीय रुपया डॉलर की जगह लेने की ताकत रखता है। उन्होंने कहा कि भारतीय रुपया समय के साथ दुनिया में ग्लोबल रिजर्व करेंसीज में से एक बन सकता है। उनके मुताबिक यह देखा जा सकता है कि भारत दुनिया के बाकी हिस्सों के साथ जो व्यापार करता है, उसके लिए रुपया कैसे एक वाहन मुद्रा बन सकता है। यह भुगतान का विकल्प हो सकता है। यह स्टोर ऑफ वैल्यू भी बन सकता है। निश्चित रूप से, समय के साथ रुपया दुनिया में ग्लोबल रिजर्व करेंसी की डायवर्सिटी में से एक बन सकता है।

भारत का 'यूपीआई' और सिंगापुर का 'पे नाउ' हुआ कनेक्ट

अभिनय आकाश

अपने दूरदृष्टि रवैये के साथ ही भारत महाशक्ति बनने कि दिशा में नित नए कदम आगे बढ़ा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सिंगापुर के पीएम लीसिंग लू ने दोनों देशों के बीच पेमेंट इंटरफेस की शुरुआत कर दी है। ऐसे में आप पहले देश के अंदर तो यूपीआई पेमेंट करते ही थे लेकिन अब देश के बाहर भी यूपीआई पेमेंट कर सकेंगे। सरल शब्दों में कहे तो अब भारत का यूपीआई अब आप धड़ल्ले से सिंगापुर में भी इस्तेमाल किया जा सकेगा। भारत के यूपीआई और सिंगापुर के पेय नाऊ के बीच लिकेंज के मौके पर पीएम मोदी ने अपना संबोधन भी दिया।

पीएम मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से सिंगापुर के अपने समकक्ष ली सियन लूंग की मौजूदगी में 'यूपीआई' और सिंगापुर की 'पे नाऊ' प्रणाली के बीच संपर्क सुविधा की शुरुआत के मौके पर कहा कि भारत की भुगतान सेवा यूपीआई और सिंगापुर की 'पे नाउ' प्रणाली के बीच इस सुविधा की शुरुआत दोनों देशों के संबंधों के लिए एक नया मील का पत्थर है। प्रधानमंत्री ने कहा कि 2022 में यूपीआई के जरिये 1,26,000 अरब रुपये से अधिक के 74 अरब लेनदेन हुए हैं। उन्होंने कहा कि यूपीआई अब अन्य देशों में भी अपने कदम बढ़ा रही है।

यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) भारत की मोबाइल-आधारित तेज़ भुगतान प्रणाली है, जो ग्राहकों द्वारा बनाए गए वर्चुअल पेमेंट एड्रेस (वीपीए) का उपयोग करके चौबीसों घंटे तुरंत भुगतान करने की सुविधा देती है। यह प्रेषक द्वारा बैंक खाता विवरण साझा करने के जोखिम को समाप्त करता है। यूपीआई पर्सन-टू-पर्सन और पर्सन-टू-मर्चेंट भुगतान दोनों सपोर्ट करता है और यह उपयोगकर्ता को पैसे भेजने या प्राप्त करने की सुविधा देता है। पे नाऊ सिंगापुर की एक तेज़ भुगतान प्रणाली है। यह पीयर-टू-पीयर फंड ट्रांसफर सेवा को सक्षम बनाता है, जो सिंगापुर में भाग लेने वाले बैंकों और गैर-बैंक वित्तीय संस्थानों (एनएफआई) के माध्यम से खुदरा ग्राहकों के लिए उपलब्ध है। यह उपयोगकर्ताओं को केवल अपने मोबाइल नंबर, सिंगापुर राष्ट्रीय पंजीकरण पहचान पत्र (एनआरआईसी)/विदेशी पहचान संख्या (एफआईएन), या वीपीए का उपयोग करके सिंगापुर में एक बैंक या ई-वॉलेट खाते से दूसरे बैंक में तत्काल धन भेजने और प्राप्त करने की सुविधा देता है।

सीमा पार खुदरा भुगतान आम तौर पर घरेलू लेनदेन की तुलना में कम पारदर्शी और अधिक महंगे होते हैं। यूपीआई-पे नाऊ लिंकेज भारत और सिंगापुर के बीच सीमा पार भुगतान के लिए बुनियादी ढांचे के विकास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है और तेजी से, सस्ता और अधिक पारदर्शी सीमा पार भुगतान चलाने की जी 20 की वित्तीय समावेशन प्राथमिकताओं के साथ निकटता से संरेखित है। भारत इस वर्ष घूर्णी सदस्यता संरचना के आधार पर जी20 की अध्यक्षता कर रहा है। सिंगापुर, हालांकि जी20 सदस्य नहीं है, को 2010 से 2011 और 2013 से 2023 तक जी20 शिखर सम्मेलन और इससे संबंधित प्रक्रियाओं में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया है।

यूपीआई-पे नाऊ लिंकेज दो तेज भुगतान प्रणालियों में से प्रत्येक के उपयोगकर्ताओं को अन्य भुगतान प्रणाली पर जाने की आवश्यकता के बिना पारस्परिक आधार पर तत्काल, कम लागत वाले फंड ट्रांसफर करने में सक्षम करेगा। यह सिंगापुर में भारतीय डायस्पोरा, विशेष रूप से प्रवासी श्रमिकों और छात्रों को सिंगापुर से भारत में तत्काल और कम लागत वाले धन के हस्तांतरण के माध्यम से और इसके विपरीत मदद करेगा।

पीएम मोदी की इस पहल से दुनिया में भारतीय यूपीआई की धाक तो बढ़ेगी ही लेकिन इसके साथ ही इससे रुपये को मजबूती मिलने में भी सहायता मिलेगी। अब खुद का ऑनलाइन पैसा ट्रांसफर सिस्टम होने की वजह से भारत कभी भी रूस की तरह शिकार नहीं होगा। वहीं आर्थिक विशेषज्ञों के अनुसार इसका सबसे बड़ा फायदा ये होगा कि आप जब चाहे, अपनी धनराशि से सिंगापुर से भारत या भारत से सिंगापुर ट्रांसफर कर सकते हैं। इस पहल से दक्षिण पूर्वी एशियाई देशों में दबदबा बढ़ाने की कोशिश कर रहे चीन को भी जबरदस्त झटका लगेगा और भारत एक पावरफुल देश के रूप में उभर सकेगा।

भारी पड़ेगा मोदी के पिता पर हमला

गौतम मोरारका

कांग्रेस के राष्ट्रीय पवन खेड़ा की बात करें तो पिछले साल जब कांग्रेस ने उन्हें राज्यसभा का टिकट नहीं दिया था तो उन्होंने ट्वीट किया था कि मेरी तपस्या में कौन-सी कमी रह गयी। संभवत: अब पवन खेड़ा को बता दिया गया है कि उनकी तपस्या में कौन-सी कमी रह गयी थी। राजनीति में एक दूसरे की नीतियों में कमी बताते हुए या एक दूसरे की विचारधारा पर सवाल उठाते हुए हमले करना स्वाभाविक है। विपक्ष का भी दायित्व है कि वह सरकार के समक्ष जनहित के मुद्दे उठाये और उसकी नीतियों पर सवाल भी उठाये। लेकिन विपक्ष को यह अधिकार नहीं है कि वह सीधे प्रधानमंत्री के माता-पिता पर ही हमले करना शुरू कर दे। विपक्ष को समझना होगा कि लोकतंत्र में उसकी महत्वपूर्ण भूमिका भले है लेकिन जब उसके हमले मर्यादा की सीमा को लांघते हैं तो लोकतंत्र शर्मसार होता है। देश की इस सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ बड़ा हमला छेड़ा हुआ है। छोटे से लेकर हर बड़ा नेता सीधे प्रधानमंत्री पर हमले कर रहा है ताकि आलाकमान का ध्यान आकर्षित हो जाये। दरअसल, कांग्रेस में पदों का जल्द ही बंटवारा होने वाला है इसलिए पार्टी के हर नेता का प्रयास है कि वह सबसे बड़ा हमला प्रधानमंत्री पर करे ताकि बड़े पद के काबिल समझा जाये। कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेड़ा की बात करें तो पिछले साल जब कांग्रेस ने उन्हें राज्यसभा का टिकट नहीं दिया था तो उन्होंने ट्वीट किया था कि मेरी तपस्या में कौन-सी कमी रह गयी। संभवत: अब पवन खेड़ा को बता दिया गया है कि उनकी तपस्या में कौन-सी कमी रह गयी थी इसलिए वह अब प्रधानमंत्री के स्वर्गीय पिता का मजाक उड़ा रहे हैं। जिस व्यक्ति का राजनीति से दूर-दूर तक का नाता नहीं, जिसने गरीबी में जीवन बसर करके अपने बच्चों को देशसेवा के संस्कार दिये और जो व्यक्ति अब इस दुनिया में भी नहीं है, उनका मजाक बनाया जा रहा है। देखा जाये तो नरेंद्र मोदी पर हमला कर-करके विपक्षी थक गये हैं क्योंकि इससे उन्हें सत्ता नहीं नसीब हो रही इसलिए गुजरात विधानसभा चुनावों में प्रधानमंत्री की माताजी पर हमला बोला गया था। परिणाम यह रहा कि आजादी के बाद गुजरात में किसी पार्टी को सबसे बड़ी विजय मिली और भाजपा ने लगातार सातवीं बार सरकार बनाई। अब विपक्ष प्रधानमंत्री के पिताजी पर हमला करके शायद एक और पॉलिटिकल प्रयोग कर रहा है। कांग्रेस को समझना होगा कि सत्ता में वापसी की बेकरारी में वह जो गलतियां करती चली जा रही है, कहीं उसके चलते कांग्रेस का सत्ता से वनवास और लंबा ना हो जाये। यहां सवाल यह भी उठता है कि आखिर कांग्रेस के नेता बड़बोलेपन में विवादित बयान देते हैं या फिर पार्टी प्रधानमंत्री से कोई निजी द्वेष पाले हुए है? देखा जाये तो वर्षों से राजनीति में एक दूसरे पर व्यंग्य बाण चलाना, कटाक्ष करना तथा आरोप-प्रत्यारोप लगाने का सिलसिला चलता रहा है। लेकिन हाल के वर्षों में संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों के खिलाफ जिस तरह के अमर्यादित आचरण करने की घटनाएं बढ़ रही हैं, वह लोकतंत्र के हित में नहीं हैं।

भ्रष्टाचार करने वालों पर कार्रवाई

ललित गर्ग

केंद्रीय एजेंसियां- ईडी, सीबीआई अथवा आयकर विभाग इन दिनों राजनीतिक दलों एवं नेताओं पर कार्रवाई करती हुई नजर आ रही हैं, आजादी के बाद से भ्रष्टाचार एवं घोटालों पर नियंत्रण के लिये आवाज उठती रही है, इसके लिये आन्दोलन एवं अनशन भी होते रहे हैं, लेकिन सबसे प्रभावी तरीका केन्द्रीय एजेंसियों की कार्रवाई एवं न्यायालयों की सख्ती ही है, जो भ्रष्टाचारियों पर सीधा हमला करती हैं। देश में सर्वाधिक भ्रष्टाचार राजनीतिक दलों में ही व्याप्त रहा है, इसलिये अब तक केन्द्रीय एजेंसियों की कार्रवाईयां उन पर प्रभावी नहीं हो पा रही थीं। लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सत्ता हासिल करते ही भ्रष्टाचार के खिलाफ कमर कसी है, जिसका असर देखने को मिल रहा है। भले ही इन दिनों हो रही केन्द्रीय एजेंसियों की कार्रवाई को राजनीतिक प्रेरित बताया जाये, लेकिन इसे भ्रष्टाचार को समाप्त करने की दिशा में एक कारगर एवं प्रभावी कदम कहा जायेगा। दिल्ली में आम आदमी पार्टी हो या कांग्रेस या अन्य राजनीतिक दल, जब-जब उनके भ्रष्टाचार उजागर हुए, केन्द्रीय एजेंसियों ने उनके खिलाफ कार्रवाई की, उसे डराने का हथकंडा कहा गया हो या राजनीति से प्रेरित, जनता ने एजेंसियों का स्वागत ही किया है। भ्रष्टाचार को शिष्टाचार मानने की मानसिकता से उबरना ही होगा।

इन दिनों छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के लगभग एक दर्जन नेताओं के ठिकानों पर प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी के छापों की कार्रवाई चल रही है। इससे कांग्रेस में बौखलाहट देखने को मिल रही है, पार्टी के नेताओं का कहना है कि इस तरह के हथकंडों से डराया नहीं जा सकता। प्रश्न यह है कि राजनीतिक दलों का सर्वोच्च नेतृत्व अपने नेताओं के भ्रष्ट कारनामों पर खुद सख्त क्यों नहीं होता? क्यों भ्रष्टाचार पर ये दल संरक्षण की मुद्रा में दिखाई देते हैं? चूंकि ईडी की यह कार्रवाई राज्य में कांग्रेस के अधिवेशन के पहले हुई, इसलिए उसके कुछ ज्यादा ही राजनीतिक मायने देखे जा रहे हैं। वैसे यह अधिवेशन न होता तो भी यह तय था कि कांग्रेस की ओर से ईडी को कोसा जाता और यह आरोप लगाया जाता कि केंद्रीय एजेंसियों का अनुचित इस्तेमाल किया जा रहा है। वास्तव में यह वह आरोप है, जो हर उस राजनीतिक दल की ओर से उछाला जाता है जिसके नेता ईडी, सीबीआई अथवा आयकर विभाग की जांच के दायरे में आते हैं। छत्तीसगढ़ में जो छापेमारी हुई, वह अवैध कोयला खनन के मामले में

हुई, जिसमें वरिष्ठ अधिकारियों समेत नौ लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। पता नहीं इस घोटाले का सच क्या है, लेकिन आज कोई भी यह दावा नहीं कर सकता कि राज्यों में राजनीतिक और प्रशासनिक स्तर के भ्रष्टाचार पर लगाम लगी है।

नेताओं और नौकरशाहों के भ्रष्टाचार की आए दिन आने वाली खबरें यही बताती हैं कि केंद्रीय एजेंसियां डाल-डाल हैं तो भ्रष्टता का जाल पात-पात। विडम्बना तो यह है कि नेतृत्व करने वाली ताकतें भ्रष्टाचार में लिप्त हैं। लेकिन आज भ्रष्टाचार के खिलाफ देश में जो माहौल बना है, वह निश्चय ही बहुत बड़ी बात है और एक शुभ संकेत है। हमें इस मौके को बर्बाद नहीं करना चाहिए। निश्चित ही भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई का जो केन्द्रीय एजेंसियों की कार्रवाई का तरीका अपनाया जा रहा है, वह सही तरीका है। पूर्व में कुछ लोग अनशन और भूख हड़ताल को इसके खिलाफ लड़ाई का हथियार बनाते रहे हैं। मेरा मानना है कि यह गलत तरीका है। अनशन में मुद्दा पीछे छूट जाता है और अनशन करने वाले आदमी पर सारा ध्यान केंद्रित हो जाता है। मुद्दे को पीछे छोड़कर हम कुछ हासिल नहीं कर सकते।

तमाम कोशिशों के बावजूद भ्रष्टाचार और घोटालों का घटाटोप मौसम है, ऐसा कुछ भी कह पाना भले मुश्किल हो, जो भारत या इसके लोगों की जिंदगी पर उजली रोशनी डालता हो। भारत अपनी दुश्वारियों में लस्त-पस्त उस मध्ययुगीन योद्धा की तरह दिखता है, जो जंग के मैदान में आहें भर रहा है। कोई नहीं जानता, किसके दामन में कितने दाग हैं? कोई ऐसा नहीं जिस पर यकीन किया जा सके, धरती का कोई कोना नहीं, जिसके नीचे दबा कोई घोटाला खुदाई का इंतजार न कर रहा हो। लेकिन यही मौके होते हैं, जब किसी देश के सच्चे चरित्र का पता चलता है। आगे-पीछे फैशन के तहत हजारों जुमलों में किसी समाज को बहलाया जा सकता है, लेकिन बुरे वक्त में नहीं। भारत के चरित्र को परखने का भी यही समय है और मैं समझता हूं, इस पड़ताल की शुरुआत उन गलतफहमियों को उघाड़े जाने से होनी चाहिए, जो राजनीतिक दलों ने खुद के बारे में पाल रखी हैं। केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई को लेकर भले ही यह वातावरण बनाया जाए कि उनका राजनीतिक उपयोग किया जा रहा है, लेकिन आम जनता पर उसका असर मुश्किल से ही पड़ता है। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि जनता इससे अच्छी तरह परिचित है कि नेताओं और नौकरशाहों के बीच भ्रष्टाचार की क्या स्थिति है?

राजनीतिक दल कुछ भी कहें, केंद्रीय एजेंसियों की छापेमारी के दौरान नेताओं और नौकरशाहों के यहां अकूत संपदा मिलने के प्रसंग त्रासद ही कहे जा सकते हैं। निश्चित रूप से भ्रष्ट तत्वों के खिलाफ कार्रवाई होनी ही चाहिए, लेकिन वह केवल छापेमारी तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। यह ठीक नहीं कि केंद्रीय एजेंसियां जिस तत्परता से भ्रष्ट तत्वों के यहां छापेमारी करती हैं, वह आगे नहीं बढ़कर निस्तेज हो जाती है। प्राय: घपले-घोटालों की जांच इतनी लंबी खिंचती है कि लोगों की संबंधित मामले में रुचि नहीं रह जाती। इसका कोई औचित्य नहीं कि भ्रष्ट तत्वों को सजा मिलने में जरूरत से ज्यादा देर हो। फिलहाल ऐसी ही स्थिति है। इसी कारण न तो भ्रष्ट तत्वों के दुस्साहस का दमन हो पा रहा है और न ही राजनीतिक एवं प्रशासनिक स्तर पर व्याप्त भ्रष्टाचार में कोई कमी आती दिख रही है। ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल की पूर्व रपट के अनुसार एशिया में सबसे अधिक भ्रष्टाचार यदि कहीं है तो वह भारत में है। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र को इससे गंदा प्रमाण पत्र क्या मिल सकता है? इसका अर्थ क्या हुआ? क्या यह नहीं कि भारत में लोकतंत्र या लोकशाही नहीं, नेताशाही और नौकरशाही है? भारत में भ्रष्टाचार की ये दो ही जड़े हैं। पिछले आठ-नौ साल में नेताओं के भ्रष्टाचार की खबरें काफी कम आई हैं। इसका अर्थ यह नहीं कि भारत की राजनीतिक व्यवस्था भ्रष्टाचार मुक्त हो गई है। उसका भ्रष्टाचार मुक्त होना असंभव है। हां, सर्वोच्च नेतृत्व की कठोरता का यह असर है कि नेताओं ने भ्रष्टाचार की वैतरणी पर चादर डाल दी है। भ्रष्टाचार तो है पर दिखे ना इसकी कुचेष्टाएं हो रही हैं।

राजनेताओं का भ्रष्टाचार लुके-छिपे यथावत बदस्तूर जारी है। यह एक बड़ा सच है कि यदि नेता लोग रिश्वत नहीं खायेंगे, डरा-धमकाकर पैसा वसूल नहीं करेंगे और बड़े व्यावसायिक घरानों की दलाली नहीं करेंगे तो वे चुनावों में खर्च होने वाले करोड़ों रुपया कहां से लाएंगे? उनके ऐशोआराम पर रोज खर्च होने वाले हजारों रुपयों का इंतजाम कैसे होगा? उनकी और उनके परिवार की चकाचौंधपूर्ण जिंदगी कैसे चलेगी? राजनेताओं की भ्रष्ट अनिवार्यता को ढाई हजार साल पहले आचार्य चाणक्य और यूनानी दार्शनिक प्लेटो ने अच्छी तरह समझ लिया था। इसीलिए चाणक्य ने अपने अति शुद्ध और सात्विक आचरण का उदाहरण प्रस्तुत किया और प्लेटो ने अपने ग्रंथ रिपब्लिक में दार्शनिक राजा की कल्पना की, जिसका न तो कोई निजी परिवार होता है और न ही निजी संपत्ति। लेकिन आज की राजनीति में परिवारवाद और निजी संपत्तियों के लालच ने देश की राजनीति को बर्बाद करके रख दिया है। नेताओं का भ्रष्टाचार ही नौकरशाहों को भ्रष्ट होने को प्रोत्साहित करता है। हर नौकरशाह अपने नेता की नस-नस से वाकिफ होता है। उसे उसके हर भ्रष्टाचार का पता होता है। इसलिए नौकरशाह के भ्रष्टाचार पर नेता उंगली नहीं उठा सकता है। दोनों एक-दूसरे के भ्रष्टाचार को बढ़ावा देते हैं। यदि भ्रष्टाचार पर प्रभावी ढंग से लगाम लगानी है तो ऐसी व्यवस्था करनी ही होगी, जिससे भ्रष्टाचार के आरोप से घिरे नेताओं और नौकरशाहों को यथाशीघ्र सजा मिले। आवश्यक केवल यह नहीं कि एजेंसियां अपनी जांच शीघ्र पूरी करें बल्कि संबंधित अदालतें जल्द फैसला भी सुनाएं।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

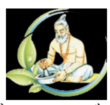

ब्रह्मोपनिषद्

यह कृष्णयजुर्वेदीय उपनिषद् है। इसमें कुल 23 मन्त्र हैं, जिसमें ब्रह्म का स्वरूप और उसकी प्राप्ति का उपाय वर्णित होने से इसका नाम 'ब्रह्मोपनिषद्' पड़ा है। सर्वप्रथम इसमें चतुष्पाद् ब्रह्म का स्वरूप बताया गया है, तत्पश्चात् परब्रह्म की अक्षरता, ब्रह्म और

निर्वाण की एकरूपता, त्रिवृत्सूत्र (ब्रह्म का तीन रूप देवगण, प्राण और ज्योति- हृदय में विद्यमान) यज्ञोपवीत का तात्त्विक स्वरूप, शिखा यज्ञोपवीत आदि का ज्ञान स्वरूप होना ब्राह्मणत्व के लिए आवश्यक है, इत्यादि विषय बड़े अच्छे ढंग से प्रतिपादित हैं। अन्त में %ब्रह्म% की प्राप्ति का उपाय सत्य एवं तप को बताते हुए सिद्ध किया गया है कि यह %आत्मा% ही ब्रह्म है, जैसे दूध में घृत विद्यमान रहता है, उसी तरह सर्वत्र ब्रह्म की सत्ता विद्यमान है। ऐसा अनुभव करने वाला साधक ब्रह्म स्वरूप हो जाता है।

इस विराट् पुरुष के शरीर में आत्मा के चार विशेष स्थान नाभि, हृदय, कण्ठ एवं ब्रह्मरन्ध्र बताये गये हैं। वहाँ इन चारों क्षेत्रों में चतुर्थ चरण से युक्त ब्रह्म प्रकाशित होता है। ऐसे ही आत्मा की चार अवस्थाएँ- जाग्रत् स्वप्न, सुषुप्ति तथा तुरीय कही गयी हैं। इन अवस्थाओं में से जाग्रत् अवस्था में ब्रह्मा, स्वप्नावस्था में विष्णु, सुषुप्तावस्था में रुद्र तथा चतुर्थ तुरीयावस्था में अक्षर रूप परमात्मा प्रकाशित होता रहता है। यह आत्म तत्त्व स्वयं मन एवं हाथ-पैर आदि इन्द्रियों से रहित होते हुए भी प्रकाश युक्त कहा गया है।

यहाँ (आत्मा अर्थात् ब्रह्म में) लोक-लोक के रूप में नहीं है, देव-देवरूप में नहीं है, वेद-वेदरूप में नहीं है, यज्ञ- यज्ञरूप में नहीं है, माता-माता के रूप में नहीं है, पिता-पितारूप में नहीं है, स्नुषा (पुत्रवधू) - स्नुषा रूप में नहीं है, चाण्डाल - चाण्डालरूप में नहीं है, पौल्कस (भील) पौल्कस रूप में नहीं है, श्रमण (संन्यासी)- श्रमण के रूप में नहीं है, और तपस्वी तपस्वी के रूप में नहीं है; किन्तु वह ब्रह्म सदैव एक निर्वाण स्वरूप एवं प्रकाश स्वरूप है। वहाँ (इस ब्रह्म पर) देवगण, ऋषिगण और पितृगण भी शासन करने में समर्थ नहीं हैं। उस अविनाशी ब्रह्म को ज्ञान के द्वारा ही जाना जा सकता है, वह सर्वविद्या के स्वरूप वाला है। जिस मनुष्य के अग्नि की शिखा की भाँति ज्ञान की शिखा होती है, उनके लिए और दूसरी अन्य शिखा होती ही नहीं है और वे ही सच्चे अर्थों में शिखा को धारण करने वाले तथा विशेष ज्ञानी कहे जाते हैं। इनके अतिरिक्त जो अन्य मनुष्य बाह्य केशों की चोटी रखते हैं, वे व्यक्ति शिखा को धारण करने वाले नहीं कहे जा सकते।

ब्राह्मण आदि जो (वर्ण) वैदिक कर्म के अधिकारी हैं, उन्हीं (मनुष्यों) को ही यह ब्रह्मसूत्र धारण करना चाहिए, क्योंकि यही इसकी कार्य पद्धति का अनिवार्य अङ्ग कहा गया है । जिस (ब्राह्मण) की शिखा एवं यज्ञोपवीत दोनों ही ज्ञानस्वरूप हैं, ऐसे उन (ब्राह्मणों) का ब्राह्मणत्व ही पूर्ण सफल है, ऐसा ब्रह्मपरायण विद्वज्जन कहते हैं । यह (ज्ञान हो) यज्ञोपवीत है, यही परम पवित्र और परायण अर्थात् कल्याणकारी है। अत: ज्ञानवान् मनुष्य ही वास्तव में (सच्चे) यज्ञोपवीत धारण करने वाले हैं, स्वयं यज्ञरूप हैं और उन्हीं श्रेष्ठ पुरुषों को 'यज्वा' कहते हैं।

क्रमश:

मानव कल्याण के लिए समर्पित राष्ट्रसंत गाडगे बाबा

महान कर्मयोगी राष्ट्रसंत संत गाडगे बाबा का जन्म महाराष्ट्र के अमरावती जिले के शेणगांव अंजनगांव में 23 फरवरी 1876 को हुआ था। संत गाडगे सच्चे निष्काम कर्मयोगी थे। उन्होंने महाराष्ट्र के कोने-कोने में अनेक धर्मशालाएं, गौशालाएं, विद्यालय, चिकित्सालय तथा छात्रावासों का निर्माण कराया। यह सब उन्होंने भीख मांग-मांगकर बनावाया किंतु अपने सारे जीवन में इस महापुरुष ने अपने लिए एक कुटिया तक नहीं बनवाई। उन्होंने धर्मशालाओं के बरामदे या आसपास के किसी वृक्ष के नीचे ही अपनी सारी जिंदगी बिता दी।

संत गाडगे बाबा के पास एक लकड़ी, फटी-पुरानी चादर और मिट्टी का एक बर्तन जो खाने-पीने और कीर्तन के समय ढपली का काम करता था, यही उनकी संपत्ति थी। इसी से उन्हें महाराष्ट्र के भिन्न-भिन्न भागों में कहीं मिट्टी के बर्तन वाले गाडगे बाबा व कहीं चीथड़े-गोदड़े वाले बाबा के नाम से पुकारा जाता था।

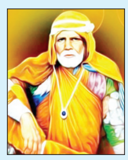

यद्यपि बाबा अनपढ़ थे, किंतु बड़े बुद्धिवादी थे।

संत गाडगे बाबा हमेशा अपने जीवन के एकमात्र ध्येय पर अटल रहे और वो था लोक सेवा। दीन-दुखियों तथा उपेक्षितों की सेवा को ही वे ईश्वर भक्ति मानते थे। धार्मिक आडंबरों का उन्होंने प्रखर विरोध किया। उनका विश्वास था कि ईश्वर न तो तीर्थस्थानों में है और न मंदिरों में व न मूर्तियों में। दरिद्र नारायण के रूप में ईश्वर मानव समाज में विद्यमान है। मनुष्य को चाहिए कि वह इस भगवान को पहचाने और उसकी तन-मन-धन से सेवा करें।

संत गाडगे बाबा ने तीर्थस्थानों पर कई बड़ी-बड़ी धर्मशालाएं इसीलिए स्थापित की थीं ताकि गरीब यात्रियों को वहां मुफ्त में ठहरने का स्थान मिल सके। नासिक में बनी उनकी विशाल धर्मशाला में सैकड़ों यात्री एकसाथ ठहर सकते हैं। वहां यात्रियों को सिगड़ी, बर्तन आदि भी नि:शुल्क देने की व्यवस्था है। सन् 2000-01 में महाराष्ट्र सरकार ने संत गाडगे बाबा ग्राम स्वच्छता अभियान की शुरुआत की, जिसके अंतर्गत जो लोग अपने गांवों को स्वच्छ और साफ-सुथरा रखते है उन्हें यह पुरस्कार दिया जाता है।

भूखों को भोजन, प्यासे को पानी, नंगे को वस्त्र, अनपढ़ को शिक्षा, बेकार को काम, निराश को ढाढस और मूक जीवों को अभय प्रदान करना ही भगवान की सच्ची सेवा है। वे कहा करते थे कि तीर्थों में पंडे, पुजारी सब भ्रष्टाचारी रहते हैं। धर्म के नाम पर होने वाली पशुबलि के भी वे विरोधी थे। यही नहीं, नशाखोरी, छुआछूत जैसी सामाजिक बुराइयों तथा मजदूरों व किसानों के शोषण के भी वे प्रबल विरोधी थे। संत गाडगे बाबा ने बुद्ध की तरह ही अपना घर परिवार छोड़कर मानव कल्याण के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। ऐसे थे हमारे राष्ट्रसंत गाडगे बाबा।

नीतीश का कांग्रेस से इजहार ए इश्क

अजय सेठिया

हाल ही में एक मीडिया ग्रुप के सर्वेक्षण में कहा गया था कि अगर आज लोकसभा चुनाव होते हैं, तो यूपीए की सीटें 92 से बढ़कर 153 हो जाएंगी। भाजपा को अपने बूते पर स्पष्ट बहुमत नहीं मिलेगा। हालांकि अपन अच्छी तरह जानते हैं कि चुनावों से साल भर पहले इसी तरह के सर्वेक्षण 2013 और 2018 में भी आए थे। जैसे जैसे चुनाव नजदीक आते हैं, मीडिया घराने और सर्वेक्षण एजेंसियां अपने नतीजे बदलने लगते हैं।

जिस मीडिया घराने का इस बार का चुनाव सर्वेक्षण प्रचारित किया जा रहा है, उसी मीडिया घराने ने जुलाई 2018 के चुनाव सर्वेक्षण में कहा था कि भाजपा की सीटें 282 से घट कर 245 हो जाएंगी, जबकि भाजपा की सीटें बढ़कर 303 हो गई थीं । इसी सर्वेक्षण में कांग्रेस की सीटें 44 से बढ़कर 83 सीटें मिलने का अनुमान बताया गया था, जबकि कांग्रेस की सिर्फ 8 सीटें बढीं थीं। इसलिए कोई कारण नहीं कि ऐसे चुनाव सर्वेक्षण पर भरोसा किया जाए।

फिर भी सर्वेक्षण में महाराष्ट्र, कर्नाटक और बिहार के बारे में हुई भविष्यवाणी चौंकाने वाली है। इन तीनों राज्यों में एनडीए को 67 सीटों का नुकसान होने की बात कही गई है। शायद इसका कारण बिहार में जदयू का और महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे का एनडीए से अलग होना हो। लेकिन कर्नाटक में ऐसा कोई कारण नहीं दिखता। जहां तक महाराष्ट्र का सवाल है, तो एकनाथ शिंदे गुट को असली शिवसेना की मान्यता मिलने और राज ठाकरे का एकनाथ शिंदे को समर्थन होने के कारण लगता नहीं कि एनडीए को महाराष्ट्र में कोई नुकसान होगा। वैसे इसका पता जल्द ही होने वाले मुम्बई और पूना महानगर पालिकाओं के चुनावों से लग जाएगा।

लेकिन एक मीडिया घराने के चुनाव सर्वेक्षण से बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बेहद उत्साहित हैं

क्योंकि सर्वेक्षण में कहा गया है कि बिहार में यूपीए की सीटें एक से बढ़कर 25 हो जाएंगी। एनडीए से गठबंधन तोड़ने के बाद से नीतीश कुमार इस फिराक में थे कि विपक्षी पार्टियां उनके नेतृत्व में एकजुट हो जाएं और समूचा विपक्ष उनके नेतृत्व में लोकसभा चुनाव लड़े। कांग्रेस ने दो टूक कहा था कि वह उन राज्यों में क्षेत्रीय दलों का नेतृत्व स्वीकार करने को तैयार हैं, जहां वे कांग्रेस से ज्यादा ताकतवर हैं, लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर ऐसा नहीं हो सकता।

कांग्रेस ने ममता बनर्जी, चंद्रशेखर राव, अरविन्द केजरीवाल और नीतीश कुमार की गैर कांग्रेसी नेतृत्व की कोशिशों को नाकाम करने के लिए राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा करवाई थी। ममता बनर्जी उपराष्ट्रपति के चुनाव के समय से ही विपक्षी एकता की कोशिशों से लगभग पीछे हट चुकी हैं। उनका लक्ष्य पहले तृणमूल कांग्रेस को राष्ट्रीय पार्टी बनवाना है, इसलिए वह त्रिपुरा के बाद मेघालय में पूरी ताकत से लड़ रही हैं, ताकि टीएमसी को राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा मिल जाए। अरविन्द केजरीवाल और केसीआर ने अपना मोर्चा बना लिया है।

नीतीश कुमार ने आखिरकार मैदान छोड़ दिया है, 18 फरवरी को उन्होंने कहा कि कांग्रेस को विपक्षी एकता की पहल करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर विपक्षी एकता हो गई तो भाजपा की सौ से ज्यादा सीटें नहीं आएंगी, लेकिन अगर गठबंधन नहीं हुआ तो सब जानते हैं कि क्या होगा। चुनावी सर्वेक्षण से गैर भाजपा दलों के हौंसले बढ़े हुए हैं, उन्हें लगता है कि थोड़ा जोर लगा दिया जाए तो भाजपा को सत्ता से बाहर किया जा सकता है। नीतीश कुमार के बयान पर सलमान खुर्शीद ने कहा है कि सवाल सिर्फ यह है कि आई लव यू पहले कौन कहे। जबकि नीतीश कुमार ने वेलेंटाइन डे के चौथे दिन कांग्रेस को सार्वजनिक तौर पर आई लव यू के साथ आई वांट टू मैरी यू भी कह दिया है।

अपन फिर चुनाव सर्वेक्षण पर आते हैं। हालांकि 2014 और 2019 में चुनाव सर्वेक्षण गलत साबित हो चुके हैं, लेकिन इस चुनाव सर्वेक्षण में भी एनडीए को 298 सीटें मिलने की बात कही गई है, जो बहुमत से 26 ज्यादा है। यूपीए को 153 सीटें मिलने और अन्य दलों को 92 सीटें मिलने की बात कही है। गैर भाजपा दलों की मोदी सरकार को अपदस्थ करने की गलतफहमी यहीं पर खत्म हो जाती है, क्योंकि गैर भाजपा, गैर कांग्रेस दलों में से सारे दल भाजपा विरोधी नहीं है।

नीतीश कुमार को पता नहीं कैसे लगता है कि ये सभी क्षेत्रीय दल भाजपा के खिलाफ विपक्षी एकता में शामिल किए जा सकते हैं। नीतीश कुमार के अति उत्साहित होकर भाजपा को सौ सीटों पर निपटाने का बड़बोलापन असल में इसी सर्वेक्षण में ही छिपा है। जिसमें कहा गया है कि बिहार में यूपीए को 40 में से 25 सीटें मिल जाएंगी, जबकि पिछली बार सिर्फ एक सीट मिली थी।

असल में नीतीश कुमार का पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा के साथ गठबंधन था और भाजपा ने 2014 में अपनी जीती हुई पांच सीटें भी जदयू को दे दी थीं, जिस कारण जदयू 16 सीटें जीत गईं थीं। नीतीश कुमार को शायद 2014 याद नहीं है, जब नीतीश कुमार और लालू यादव साथ साथ थे, फिर भी समूचे विपक्ष को 9 और एनडीए को 31 सीटें मिली थी।

पिछले दस सालों में स्थिति में बहुत बदलाव आया है, 2014 में नरेंद्र मोदी का कद इतना बड़ा नहीं था, जितना इस समय है। जब इस सर्वेक्षण के मुताबिक़ ही देश का भरोसा अभी भी नरेंद्र मोदी के साथ बना हुआ है, और बिहार की परिस्थितियां लगभग 2014 वाली बन रही हैं। उपेन्द्र कुशवाहा जदयू से बाहर आ गए हैं, नीतीश कुमार की लोकप्रियता में भारी गिरावट आई है, तो एनडीए की सीटें बढ़ेंगी, न कि यूपीए की।

नीतीश कुमार इन दिनों बिहार की यात्रा पर निकले हुए हैं, इस यात्रा के दौरान उन्हें आए दिन लोगों, खासकर किसानों के विरोध का सामना करना पड़ रहा है। गठबंधन सरकार के विधायक ही सरकार पर निशाना साध रहे हैं। कांग्रेस का नेतृत्व स्वीकार करने वाले शनिवार के बयान से एक दिन पहले नीतीश कुमार ने राज्य में किसानों की स्थिति सुधरने की बात कही थी। इस पर पूर्व कृषि मंत्री और राजद विधायक सुधाकर सिंह ने नीतीश कुमार को चिट्ठी लिखकर उनके दावे को चुनौती दी। चिट्ठी में उन्होंने लिखा कि दूसरे और तीसरे कृषि रोड मैप में बिहार के किसानों की आमदनी बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया था, लेकिन हुआ कुछ नहीं।

सुधाकर सिंह ने इस चिट्ठी में कहा कि 24 मार्च 2022 को संसद में पेश संसदीय समिति की रिपोर्ट में खुलासा हुआ था कि मेघालय के किसान हर महीने औसतन 29,348 रुपये कमाते है, पंजाब के किसान हर महीने 26,701 रुपए कमाते हैं, जबकि बिहार के किसान परिवारों की मासिक आय देश के 27 राज्यों की तुलना में सबसे निचले स्तर पर औसतन 7,542 रुपए महीना है। उन्होंने नीतीश कुमार को अगले चुनाव में कहीं से भी चुनाव लड़ने की चुनौती भी दी है। अब एक तरफ सहयोगी दल का अदना सा विधायक तक उन्हें विधानसभा चुनाव लड़ने की चुनौती दे रहा है, और दूसरी तरफ नीतीश कुमार नरेंद्र मोदी को चुनौती दे रहे हैं।

गांधी आज

देशी राज्य

देशी राज्य आज अपने बल पर नहीं चल रहे हैं बल्कि ब्रिटिश राज्य के बल पर टिक हुए हैं। उन्हें यह डर लगा रहता है कि ब्रिटिश राज्य न रहे तो हमारी हस्ती भी न रहेगी। इसलिए वे ब्रिटिश राज्य को कायम रखने और उसके प्रति ब्रिटिश भारत की प्रजा से भी अधिक वफादारी दिखाने की कोशिश करते हैं। पर यह अधिक वफादारी अधिक गुलाम दशा का चिह्न है। इसके मूल में शुद्ध भक्ति नहीं बल्कि भ्रम-भरा और गंदा स्वार्थ है। इसलिए देशी राज्यों की प्रजा की दशा दुहरी गुलामी की है। जैसे गुलामी की प्रथा में गुलामों का मेठ मालिक से भी अधिक कड़ाई करता है वैसे ही हमारे देशी नरेश अपनी प्रजा के प्रति अधिक कठोरता दिखाते हैं तो इसमें कोई नयापन नहीं। इसका उपाय यही है कि ब्रिटिश भारत पहले स्वराज्य प्राप्त कर ले। जबतक ब्रिटिश भारत की जनता स्वतंत्र नहीं तबतक देशी राज्य की प्रजा के संकट दूर करने का सामर्थ्य उसमें नहीं आएगा। अपने पुरुषार्थ से स्वतंत्र होने से ब्रिटिश भारत की जनता में शक्ति पैदा होगी यह देशी राज्यों की आँखें खोल देगी। उस समय देशी राजाओं की समझ में आएगा कि ब्रिटिश बंदूकों के बलपर अपनी प्रजा को दबाए रखकर थोड़ा अधिकार भोगने या मौज उड़ाने की अपेक्षा निष्ठापूर्वक प्रजा की सेवा करने, उसके सुख दु:ख और गरीबी में शरीक होकर प्रेम से उसके हृदय पर अपनी सत्ता जमाने में उनकी अपनी भी अधिक भलाई है। जिन भारतीय नरेशों की आँखें इस तरह खुल जाएंगी वे खुद ही अपने राज्यों में सुधार करने लग जाएंगे। जो इतने जड़, नासमझ होंगे कि उस समय भी न चेतेंगे उनके राज्य नहीं टिकने के—इसे कहने की आवश्यकता नहीं। पर ऐसे जड़मति राजा भी तब आज जैसी मनमानी तो हर्गिज न कर सकेंगे। क्योंकि स्वतंत्र हुए ब्रिटिश भारत तथा सुधर हुए देशी राज्यों का एकत्र लोकमत इतना प्रबल होगा कि दुष्टों के लिए भी अपनी दुष्टता क लगाम लगाने के सिवा दूसरा चारा न होगा। पुरुषार्थी और स्वतंत्र प्रजा के शिक्षित लोकमत में कितना अधिक बल होता है, सामाजिक व्यवहार में हमें इसका अनुभव होने पर भी आज हम इसे भूल गए हैं। पशुबल पर टिकी हुई सत्ताएं भी तभीतक अपने पशुबल का सहारा ले सकती है जबतक लोकमत प्रबल न हो।

संक्षिप्त समाचार

कुलपति चयन का विरोध करने वाले कांग्रेसी समझ लें कि काठ की हांडी बार बार नहीं चढ़ती- संदीप शर्मा

रायपुर। प्रदेश भाजपा प्रवक्ता संदीप शर्मा ने रविशंकर विश्व विद्यालय के कुलपति को बाहरी बताने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि कुलपति चयन का विरोध करने वाले कांग्रेसी समझ लें कि काठ की हांडी बार बार नहीं चढ़ती। कांग्रेस शिक्षा के क्षेत्र में भी निम्न स्तर की राजनीति कर रही है। कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति चयन के समय मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने राजनीति कर राज्यपाल के कार्य में अनावश्यक हस्तक्षेप किया था। रविशंकर विश्वविद्यालय के कुलपति चयन को लेकर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष मोहन मरकाम ने यही राजनीति करने चिट्ठी बाजी की। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता संदीप शर्मा ने कहा कि कांग्रेस को जनता की जरा भी चिंता नहीं है। शराब की नदियां बहाने वाली, कमीशनखोरी, भ्रष्टाचार करने वाली, छत्तीसगढ़ की स्वसहायता समूह की बहनों से रोजगार छीनने वाले किस मुंह से छत्तीसगढ़िया की बात करते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की छत्तीसगढ़िया हित की बात करने का ढोंग उसी दिन खुल गई थी, जब छत्तीसगढ़ की जनता के साथ भेदभाव करते हुए राज्यसभा के लिए बाहरी लोगों को भेजा।

अंतरराष्ट्रीय मातृ भाषा दिवस पर हुआ विविध आयोजन

रायपुर। आइसेक्ट सारागांव व जन शिक्षण संस्थान रायपुर द्वारा अंतरराष्ट्रीय मातृ भाषा दिवस पर विविध कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान संस्थान के डाइरेक्टर अतुल सिंग निर्देशक, सुशांत चक्रवर्ती प्रो.विवेकानंद महाविद्यालय रायपुर, सत्यदेव वर्मा सहा. संचालक, जिला संचनालय रायपुर व बोर्ड मेम्बर जन शिक्षण संस्थान रायपुर नंकेश्वर कुमार, परियोजना समन्वयक, भागवत साहू डाइरेक्टर सजग कॉलेज व यूनिवर्सल स्कूल सारागांव व अन्य अतिथि उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में जन शिक्षण संस्थान की विविध प्रकार के कौशल विकास व प्रशिक्षण पश्चात क्या किया जाए व अपनी जीवन कौशल में किस प्रकार से बदलाव लाने के लिए दिशा निर्देश दिया गया। इस अवसर पर बालकृष्ण कम्प्यूटर्स चंदखुरी व आइसेक्ट सारागांव के समस्त छात्र/छात्रायें, शिक्षक व सम्मानीय अतिथियों के सानिध्य में सफलता पूर्वक कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इस सफल आयोजन के लिए अतिथियों द्वारा बालकृष्ण वर्मा को बधाई प्रेषित किया। साथ ही इस कार्यक्रम में कम्प्यूटर प्रशिक्षक भुवनेश्वर बंजारे एवं इलेक्ट्रिकल कक्षा के प्रशिक्षक कौशल पटेल की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन योगेश वर्मा द्वारा किया गया।

सहकारी समिति की सदस्यता सूची पर दावा आपत्ति 27 फरवरी तक

बिलासपुर। राज्य सहकारी निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार सृष्टि संस्कृति आवासीय सहकारी समिति मर्यादित परसदा की सदस्यता सूची का प्रकाशन किया गया है। सदस्यता सूची के संबंध में दावा आपत्ति 27 फरवरी तक लिखित में सोसाइटी कार्यालय में श्री प्रमोद चंद्र गंगवार को प्रस्तुत कर सकते हैं। दावा आपत्तियों का निराकरण कर अंतिम सदस्यता सूची का प्रकाशन 28 फरवरी 2023 को किया जाएगा।

मृतक के परिजनों को 25-25 हजार की आर्थिक सहायता स्वीकृत

सूरजपर। मृतक जयप्रकाश साहू आत्मज रामखेलावन साहू उम्र 65 वर्ष जाति तेली निवासी चन्दरपुर थाना तहसील सूरजपुर की मृत्यु 3 अगस्त 2022 को सड़क दुर्घटना होने से गम्भीर चोट लगने के कारण हो गई थी, छत्तीसगढ़ शासन सामान्य प्रशासन विभाग रायपुर के प्रावधान अनुसार मृतक के निकटतम वारिश पत्नी हिरामनी साहू बेवा स्व. जयप्रकाश साहू को 25000 पच्चीस हजार रुपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत किया गया है। इसी प्रकार मृतक नन्दकेश्वर आत्मज रघुवर उम्र 67 वर्ष जाति बिझिया निवासी पेण्डरखी थाना जयनगर तहसील सूरजपुर की ग्राम कंदरई में मृत्यु 18 अप्रैल 2022 को सड़क दुर्घटना होने से गम्भीर चोट लगने के कारण हो गई थी, छत्तीसगढ़ शासन सामान्य प्रशासन विभाग रायपुर के प्रावधान अनुसार मृतक के निकटम वारिश पुत्र रविराम आत्मज स्व. नन्दकेश्वर को 25000 पच्चीस हजार रुपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत किया गया है। मृतक सुरंजन सिंह आत्मज स्व. आनन्द उम्र 38 वर्ष जाति गोंड़ निवासी केशवनगर तहसील सूरजपुर की मृत्यु 27 मई 2022 को सड़क दुर्घटना होने से गम्भीर चोट लगने के कारण हो गई थी, छत्तीसगढ़ शासन सामान्य प्रशासन विभाग रायपुर के प्रावधान अनुसार मृतक के निकटम वारिश पत्नि दिलबस उर्रे पति स्व. सुरंजन उर्रे को 25000 पच्चीस हजार रुपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत किया गया है।

लापरवाही बरतने वाले पंचायत सचिव पर हुई कार्यवाही

दंतेवाड़ा। कलेक्टर विनीत नंदनवार के समक्ष ग्राम पंचायत टेकनार के ग्रामीणों ने एकत्रित होकर पंचायत सचिव द्वारा ग्राम पंचायत में कराये गये विभिन्न निर्माण कार्यों एवं शासन द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं के निष्पादन में अनियमितता एवं लापरवाही बरतने की शिकायत की गयी थी। जिस पर त्वरित कार्यवाही करते हुए कलेक्टर श्री नंदनवार ने चार सदस्यीय जांच समिति गठित की थी।

मोर जमीन मोर आवास को लेकर भाजपा का हल्ला बोल

चुनाव से पहले आक्रामक हुई भाजपा

बिलासपुर। भाजपा ग्रामीण क्षेत्रों के बाद अब शहरी क्षेत्रों में भी मोर जमीन मोर मकान को लेकर आक्रामक हो गई है. भारतीय जनता पार्टी ने बुधवार को बिलासपुर विधायक शैलेश पांडेय के सरकारी बंगले का घेराव किया. भाजपाइयों ने कांग्रेस सरकार और विधायक के खिलाफ नारेबाजी की.रैली निकालने के बाद घेराव कार्यक्रम = नेहरू चौक से रैली के जरिए भाजपाई बैनर पोस्टर लेकर विधायक आवास घेरने निकले. विधायक आवास से पहले बेरिकेडिंग पार करने को लेकर प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झमाझटकी हुई.

बेरिकेडिंग पार कर भाजपा विधायक शैलेश पांडेय के आवास तक पहुंच गए, जिसके बाद नारेबाजी करते हुए भाजपाइयों ने जमकर प्रदर्शन किया.

भाजपा अलग अलग विधायकों के आवास पहुंचकर प्रदर्शन कर रही है. एक दिन पहले विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष और पूर्व नेता प्रतिपक्ष धरमलाल कौशिक ने बिल्हा एसडीएम कार्यालय का घेराव किया था. बुधवार को जिला भाजपा ने शहर विधायक के बंगले का घेराव किया. भाजपा का आरोप है कि सरकार जानबूझकर गरीबों को मकान बनाने के लिए पैसे नहीं दे रही है. केंद्र सरकार ने गरीबों के मकान के लिए पैसे दिए हैं लेकिन राज्य सरकार अपने हिस्से का पैसा नहीं दे रही है.भाजपा नेता नेता मनीष अग्रवाल ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के साथ शहरी क्षेत्र में भी गरीबों को आवास नहीं मिल रहा है. शहर के हजारों परिवार आवास के इंतजार में हैं. लगातार आवास की मांग और शिकायत सामने आ रही हैं. लेकिन सत्ता पक्ष के जनप्रतिनिधि खामोश हैं. गरीबों को उनका हक, आवास दिलाने के लिए कोई पहल नहीं हो रही है. सरकार प्रदेशभर में गरीबों के आवास को लेकर असंवेदनशील बनी हुई है.भाजपा नेताओं ने गरीबों के आवास को लेकर उग्र आंदोलन की भी चेतावनी दी है।

नए राज्यपाल आज लेंगे शपथ

रायपुर। छत्तीसगढ़ के नए राज्यपाल का सीएम भूपेश बघेल ने हार्दिक स्वागत किया है। नए राज्यपाल बिस्वा भूषण हरिचंदन को गार्ड ऑफ ऑनर देकर सम्मान किया गया। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष डॉ। चरणदास महंत, मंत्री प्रेमसाय सिंह टेकाम के साथ ही रायपुर महापौर एजाज ढेबर और विधायक कुलदीप जुनेजा भी मौजूद रहे। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के मुख्य न्यायधीश अरुप कुमार गोस्वामी राजभवन में गुरुवार सुबह 11:30 बजे राज्यपाल बिस्वा भूषण हरिचंदन को शपथ दिलाएंगे।सीएम भूपेश बघेल ने की तारीफ = सीएम भूपेश बघेल समेत सभी नेताओं ने राज्यपाल का गर्मजोशी से स्वागत किया। राज्यपाल के स्वागत के मौके पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ के नए राज्यपाल बिस्वा भूषण हरिचंदन एक अनुभवी राजनेता हैं। वे पांच बार विधायक रहे। कई विभागों के मंत्री रहे। राज्यपाल के रूप में भी उन्होंने अपनी सेवाएं दीं। उनके अनुभवों का छत्तीसगढ़ को लाभ मिलेगा। बिस्वा भूषण

हरिचंदन ओडिशा क्षेत्र से आते हैं। वे पांच बार विधायक रह चुके हैं। उन्हें कई विभागों में मंत्री बनने का मौका भी मिला। 1977 के विधानसभा चुनाव में चिल्का से बीजेपी सदस्य के रूप में बिस्वा भूषण ने राजनीति की शुरुआत की।

1990 में जनता दल के टिकट पर सत्ता में आए। साल 1997 के उपचुनाव में भुवनेश्वर सेंट्रल सीट से वे तीसरी बार विधानसभा में पहुंचे। इसके बाद लगातार तीन बार एक ही निर्वाचन क्षेत्र से सदस्य बने। बिस्वा भूषण हरिचंदन साल 2004 में बीजेडी बीजेपी के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार में कैबिनेट मंत्री भी थे। वह आंध्रप्रदेश के राज्यपाल के तौर पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं। छत्तीसगढ़ में इससे पहले अनुसूईया उईके को राज्यपाल बनाया गया था। इस दौरान अनुसूईया उइके को छत्तीसगढ़ में आरक्षण संशोधन विधेयक में हस्ताक्षर नहीं करने को लेकर काफी विरोध झेलना पड़ा था। लेकिन अब नए राज्यपाल से कांग्रेस को नई उम्मीद जगी है।

राजभवन पहुंचने पर किया गया आत्मीय स्वागत

छत्तीसगढ़ के मनोनीत राज्यपाल विश्व भूषण हरिचंदन का आज यहां राजभवन आगमन पर राजभवन सचिवालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा आत्मीय स्वागत किया गया। इस अवसर पर प्रथम महिला श्रीमती सुप्रभा हरिचंदन तथा उनके परिजन उपस्थित थे। मनोनीत राज्यपाल का परंपरागत तरीके से वैदिक मंत्रोच्चार के साथ राजभवन में प्रवेश कराया गया।

सीटू ने शिक्षा मंत्री प्रेमसाय सिंह को सौंपा ज्ञापन

रायपुर। सीटू ने प्रदेश में शासकीय प्राथमिक शालाओं में कार्य कर रहे मध्यान्ह भोजन श्रमिकों को छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के निर्णय के अनुरूप 306 रुपए प्रतिदिन अर्थात 9180 रुपए प्रतिमाह दिए जाने की मांग करते हुए शिक्षा मंत्री प्रेमसाय सिंह को ज्ञापन सौंपा। सीटू के राज्य सचिव धर्मराज महापात्र, समीर कुरैशी, सीटू से सम्बद्ध छत्तीसगढ़ मध्यान्ह भोजन मजदूर एकता यूनियन के नेता अनुसुइया कंडरा, अहिल्या ध्रुव, ललिता साहू, महेश निर्मलकर, सरला शर्मा, जयश्री गोस्वामी, बालाराम मरकाम, राधा दिली के नेतृत्व में प्रतिनिधि मंडल ने उनसे भेंट कर कहा कि केवल 1500 रुपए के मानदेय पर इन श्रमिकों का गुजारा संभव नहीं है और लंबे समय से ये श्रमिक शोषण के शिकार हैं। उच्च न्यायालय द्वारा दिए गए निर्णय के बाद भी इनके पारिश्रमिक में कोई वृद्धि नहीं की गई है। संगठन ने रसोइयों को कलेक्टर दर पर पारिश्रमिक दिए जाने, केंद्रीय रसोई घरों पर रोक लगाने, स्कूलों के रसोई घरों को सुविधापूर्ण बनाने, मध्यान्ह भोजन श्रमिकों को 10 किलोग्राम अनाज मुफ्त दिए जाने , मध्यान्ह भोजन श्रमिकों की छंटनी पर रोक लगाने की मांग की। मंत्री महोदय ने प्रतिनिधि मंडल को उच्च न्यायालय के निर्णय का अध्ययन कर उपयुक्त कदम उठाने का आव्हान किया। सीटू ने आगामी बजट में इन श्रमिकों के संबध में प्रदेश सरकार से सकारात्मक कदम की मांग की है ।

ग्रीष्म काल में पेयजल की न हो कमी : कलेक्टर

- **जाति प्रमाण पत्र बनाने के कार्य में लापरवाही बरतने पर एबीईओ को कारण बताओ नोटिस**

कोरबा। आगामी ग्रीष्म कालीन जिले में विशेषकर खदान क्षेत्रों में पेयजल की कमी न हो इसके लिए पहले से कार्ययोजना बनाकर कार्य करें। कलेक्टर संजीव झा ने आज टीएल की बैठक में यह निर्देश दिया।

कलेक्टोरेट सभा कक्ष में आयोजित टीएल बैठक में कलेक्टर ने ग्रीष्मकाल में पेयजल की समस्या वाले क्षेत्रों की जानकारी ली। गत वर्ष 45 गांवो में पानी की समस्या चिन्हांकित की गई थी। इन क्षेत्रों में जलापूर्ति का विशेष ध्यान देने कहा गया। खदान क्षेत्र में ग्रीष्म ऋतु के दौरान होने वाली पेयजल की समस्या के निराकरण के लिए संबंधित एसडीएम को एसईसीएल से समन्वय कर कार्यवाही करने के निर्देश दिए। वन्य जीव प्राणियों के लिए भी पानी की समस्या न हो इसके लिए वन विभाग को योजना बनाकर कार्य करने कहा। जल आवर्धन योजना की समीक्षा की गई। बताया गया कि छुरी में निर्मित जल आवर्धन योजना से 15 मार्च के बाद पानी मिलेगा।

कलेक्टर ने सभी जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को निर्देश दिया कि 31 मार्च को सभी रूरल इंडस्ट्रीयल पार्क (रीपा) का उद्घाटन किया जाना है, इसके लिए पर्याप्त तैयारियां पूर्ण कर ली जाए। उन्होंने कक्षा छठवीं से बारहवीं तक छात्रों के बनाये जा रहे जाति प्रमाण पत्र कार्य की समीक्षा करते हुए जिले में बनाये गये 05 हजार जाति प्रमाण पत्र छात्रों को विद्यालयों में वितरित करने के निर्देश दिए। सहायक विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी पोड़ी-उपरोड़ा द्वारा जाति प्रमाण पत्र बनाने के कार्य में लापरवाही बरतने एवं समय सीमा की बैठक में बिना सूचना के अनुपस्थित रहने पर कलेक्टर ने नाराजगी जताते हुए उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। जिले में कक्षा पहली से पांचवी तक के छात्रों के जाति प्रमाण पत्र बनाने के लिए शिविर लगाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने सभी एसडीएम को निर्देश दिए कि वन अधिकार पत्र जारी करने का कार्य गंभीरता से करते हुए पात्र लोगों को वन अधिकार पत्र जारी किए जाएं। उन्होंने राजस्व प्रकरणों की समीक्षा करते हुए एसडीएम एवं सभी तहसीलदार को निर्देश दिए कि सीमांकन के लंबित प्रकरणों का शीघ्र ही निराकरण कर लिया जाए। उन्होंने सभी तहसीलों के रिकॉर्ड रूम की नकल शाखा की समीक्षा करते हुए लंबित नकल प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करने को कहा। कलेक्टर ने गोधन न्याय योजना की समीक्षा करते हुए सभी मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत को निर्देश दिए कि स्वीकृत गौठानों एवं चारागाहों को पूर्ण कर लिया जाए।

उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक गौठान में गोबर खरीदी की तुलना में 40 प्रतिशत खाद रूपांतरण अनिवार्य होना चाहिए। उन्होंने गौठानों में स्वीकृत वर्मी टांको के निर्माण शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने विभागों में प्रधानमंत्री पोर्टल, मुख्यमंत्री जनचौपाल, कलेक्टर जनदर्शन, समय सीमा की बैठक से संबंधित लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए।

नेचर कैम्प घोटाले में तीन डिप्टी रेंजर पर गिरी निलंबन की गाज

गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही। मरवाही वनमंडल के चर्चित नेचर कैम्प घोटाले में तीन और डिप्टी रेंजरों पर निलबंन की गाज गिरी है। उक्त घोटाले के मास्टरमाइंड सुनील चौधरी बीट गार्ड को पहले ही निलबिंत किया जा चुका है। इसी क्रम में अन्य आरोपी इंद्रजीत सिंह कंवर उपवनक्षेत्रपाल मरवाही, अश्वनी कुमार दुबे वनपाल परिक्षेत्र सहायक मरवाही, द्वारिका प्रसाद रजक वनपाल परिसर रक्षक ऐंठी को मुख्य वन संरक्षक बिलासपुर वृत द्वारा कार्यवाही करते हुए निलंबित कर दिया गया है। मामला मरवाही के नेचर कैंप और साल्हेकोटा वन प्रबंधन समिति से जुड़ा हुआ है जहां मरवाही रेंज के साल्हेकोटा वनप्रबंधन समिति अंतर्गत आने वाले नेचर कैम्प गगनई में नेचर कैम्प प्रबंधन समिति जामवंत माड़ा गगनई के नाम से फर्जी वनसमिति गठित कर लाखों/करोड़ो की राशि निकाल ली गई थी। मामले में मुख्य वन संरक्षक बिलासपुर द्वारा त्रिस्तरीय जांच दल गठित की गई थी जांच में दोषी पाए दस अधिकारियों/कर्मचारियों में चार लोगों पर कार्यवाही की जा चुकी है।

सड़क हादसे में चार लोगों की मौत

बालोद। बालोद जिले से एक सड़क हादसे की खबर है। यहां एक दर्दनाक सड़क हादसे में बीती रात करीबन 11 बजे चार लोगों की मौत हो गई। बालोद नगर के सलूजा परिवार के मां-बेटे सहित 4 लोगों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि रायपुर से एक पारिवारिक कार्य पूरा कर परिवार के लोग कार से अपने घर बालोद लौट रहे थे। तभी कच्चे माइंस का लोहा भरकर रायपुर की ओर जा रही ट्रक ने कार को टक्कर मार दी। जिससे कार में सवार सलूजा परिवार की पत्नी सिमरन कौर, पुत्र राजवीर, चालक सहित एक अन्य की मौके पर ही मौत हो गई। यह हादसा गुंडरदेही थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम खप्परवाड़ा की घटना है। बताया जा रहा है कि जिस कार से सलूजा परिवार घर लौट रहा था वह किसी राहुल कंपनी नामक ट्रेवल एजेंसी की थी।

सीपीएल टी20 मुकाबले में अबूझमाड़ टाइगर्स और रायपुर कैपिटल्स की जीत

रायपुर । छत्तीसगढ़ क्रिकेट काउंसिल और वीर स्पोर्ट्स क्लब के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित छत्तीसगढ़ प्रीमियर लीग सीपीएल टी-20 के अंतर्गत आज ग्यारहवें दिन शहीद वीर नारायण सिंह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में 2 मैच एथेना अबूझमाड़ टाइगर्स और एचटीसी भिलाई इंडियंस एवं हीरा सुपर पॉवर दुर्ग और वेनिंगटन कोर्ट रायपुर केपिटल्स के मध्य खेला गया।

छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी खेलकूद प्रकोष्ठ एवं आयोजन समिति के अध्यक्ष प्रवीण जैन ने जानकारी देते हुए बतलाया कि अबूझमाड़ टाइगर्स ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया जो गलत साबित हुआ, अबूझमाड़ ने पहले 2 ओवर में महत्वपूर्ण 4 विकेट गंवा दिए, इसके बाद बल्लेबाजी का क्रम संभालते हुए चंद्रहास 54 गेंदों पर 74

और श्रेयष मुखर्जी 52 गेंदों पर 59 रनों की शतकीय साझेदारी के बाद 8 विकेट के नुकसान पर निर्धारित 20 ओवर में 160 रन बनाए। भिलाई इंडियंस की ओर से शौकत अली और देवव्रत ने 4-4 विकेट हासिल किए। जवाब में एचटीसी भिलाई इंडियंस की टीम 9 विकेट पर 125 रन ही बना सकी, जिसमें हेमंत साहू ने 56 रन बनाए। अबूझमाड़ की ओर से बाबूलाल ने चार विकेट चटकाए। चंद्रहास को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

वहीं दिन के दूसरे मैच में रायपुर केपिटल्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 17 ओवरों में 6 विकेट के नुकसान पर पीयूष 39 और सूर्य 25 की बदौलत 116 रन 6 विकेट पर बनाएं। दुर्ग की ओर से विकाश यादव ने 3 विकेट लिए जवाब में सुपर पावर दुर्ग 17 ओवर में नौ विकेटों पर 83 रन ही बना सकी। पीयूष ने गेंदबाजी में भी 2 विकेट चटकाए उन्हे दोहरे प्रदर्शन के आधार पर मैन ऑफ द मैच चुना गया।

अंग्रेजी माध्यम विद्यालय में कैरियर मार्गदर्शन का आयोजन

रायपुर। विशेष रोजगार कार्यालय, रायपुर द्वारा शासकीय आर. डी. तिवारी उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय आमापारा रायपुर के छात्र-छात्राओं के लिए कम्प्यूनिटी मोबिलाइजेशन के अंतर्गत कैरियर मार्गदर्शन कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उप संचालक रोजगार डॉ. अतुलकर ने छात्र-छात्राओं को परीक्षा की तैयारी के लिए आत्मविश्वास, धैर्य एवं लगन के साथ तैयारी करने हेतु प्रेरित किया। इसके साथ ही उच्च शिक्षा एवं राज्य स्तरीय प्रतियोगी परीक्षाओं लोक सेवा आयोग, बैंकिग, कर्मचारी चयन आयोग परीक्षाओं के परीक्षा प्रणाली के बारे में विस्तार से छात्र-छात्राओं से चर्चा की गई। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं के विभिन्न प्रश्नों का उत्तर देते हुए उनको अपना कैरियर, लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए पूरे आत्मविश्वास के साथ मेहनत करने की सलाह दी गई। समस्त उपलब्ध अवसरों की जानकारी सही समय पर छात्रों को उपलब्ध होना आवश्यक है। इसी तरह कस्टमर सक्सेस मैनेजर श्रीमती रजनी पाण्डेय ने अपने अनुभव साझा करते हुए छात्र-छात्राओं को पावर पाइंट के माध्यम से अभ्यर्थियों को अपने कम्फर्ट जोन से हट कर तैयारी करने अपना लक्ष्य को प्राप्त करने, व्यक्तित्व विकास, आलस्य निंद्रा को छोड़ने एवं निडर रहकर तैयारी

करने की सलाह दी। उन्होंने अभ्यर्थियों को विभिन्न प्रकार के माइंड रिडिंग गेम के माध्यम से तैयारी एवं समझाने का प्रयास किया। सहायक जिला अभियोजन अधिकारी श्रीमती गांधी द्वारा छात्र-छात्राओं को बोर्ड परीक्षा की तैयारी के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य डॉ. राकेश गुप्ता, सेवानिवृत्त प्राचार्य श्री मो. इकबाल, साफ्टवेयर इंजीनियर सुश्री सोनल डोंगरे, सहायक जिला अभियोजन अधिकारी श्रीमती इंदिरा गांधी, जिला कार्यक्रम समन्वयक समग्र शिक्षा श्रीमती निशा शर्मा, विद्यालय के शिक्षकगण एवं पालक प्रतिनिधि भी सम्मिलित हुए। कैरियर कार्यशाला में अभनपुर, बंगोली, सांकरा, केन्द्री, मोवा के छात्र-छात्रायें सम्मिलित हुए।

5 एकड़ में वृक्षारोपण करने पर मिलेगा शत् प्रतिशत अनुदान

मुख्यमंत्री वृक्ष संपदा योजना

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य में निजी भूमि पर व्यावसायिक उद्देश्य से वृक्षारोपण को प्रोत्साहित करने के लिए मुख्यमंत्री वृक्ष संपदा योजना लागू की गई है। इससे राज्य में काष्ठ आधारित उद्योग लगेंगे। वहीं आय के साथ-साथ ग्रामीणों को रोजगार और आजीविका के साधन भी मिलेंगे। इस योजना के बेहतर क्रियान्वयन के लिए वन विभाग से जुड़े अधिकारियों के लिए राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला में जानकारी दी गई कि मुख्यमंत्री वृक्ष संपदा योजना में निजी भूमि पर वृक्षारोपण के लिए इच्छुक एवं पात्र हितग्राहियों को 5 एकड़ भूमि में वृक्षारोपण करने के लिए शत् प्रतिशत अनुदान दिया जाएगा। इसी प्रकार 5 एकड़ से अधिक भूमि

होने पर 50 प्रतिशत अनुदान उपलब्ध कराया जाएगा। कार्यशाला में यह भी जानकारी दी गई कि वृक्षों से अधिक मात्रा में काष्ठ की पैदावार को सुनिश्चित करने के लिए प्रति एकड़ 1000 एवं अधिकतम 5000 पौधे के रोपण करना उपयुक्त होगा। इससे निजी भूमि पर वृक्षारोपण करने वाले भूमिधारकों को प्रतिवर्ष 15 से 50 हजार रूपए प्रति एकड़ तक की आमदनी होगी। मुख्यमंत्री वृक्ष संपदा योजना में निजी शिक्षण संस्थाएं, निजी ट्रस्ट, पंचायते भूमि अनुबंध धारक, गैर शासकीय संस्थाओं को अपने भूमि में रोपण कराने पर 50 प्रतिशत अनुदान की प्राथमिकता होगी। इन संस्थाओं को शेष राशि स्वयं वहन करना होगा। निजी भूमिधारकों, संस्थाएं वृक्षारोपण की तैयारी के लिए दिए जा रहे अनुदान राशि से क्षेत्र तैयारी, गड्ढा खुदाई, रोपण निदाई गुडाई आदि करा सकेंगे। वृक्षारोपण उपरांत वृक्षों के काष्ठ विक्रय के लिए निजी भूमिधारकों, शासकीय अथवा निजी संस्थाओं को ट्रायो एग्रीमेंट करना होगा।

योजना अंतर्गत रोपण किये जाने वाले टिशू कल्चर सागौन, चंदन, क्लोनल नीलगिरी, मिलिया डुबिया, टिशू कल्चर बांस व अन्य उपयोगी प्रजाति के पौधों के रोपण किया जाएगा। कार्यशाला में योजना के इच्छुक निजी भूमिधारकों और विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों को योजना के प्रावधानों सहित इस संबंध में उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया गया। कार्यशाला में वृक्षारोपण विशेषज्ञ श्री प्रेमलाल जैन, उद्योगपति, टिम्बर मर्चेन्ट, भूमि-स्वामी कृषक, एन.जी.ओ. कलेक्टर रायपुर सहित नगर निगम और वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

कार्यशाला में निजी भूमिधारकों और विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों से अधिक से अधिक मात्रा में वृक्षारोपण कर इस योजना का लाभ उठाने का आग्रह किया गया। कार्यशाला में वृक्षारोपण के लिए इच्छुक भूमिधारकों और विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने अपनी उपलब्ध भूमि में वृक्षारोपण किये जाने की इच्छा जतायी।

कांग्रेस महाधिवेशन की तैयारियां जोरों पर

24 से 26 तक अनेक विषयों पर होगी चर्चा

रायपुर। छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय कांग्रेस कमेटी का 85वां महाधिवेशन होने जा रहा है। इसको लेकर छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी की तैयारियां अब अंतिम चरम पर हैं। बताया जा रहा है कि आज देर रात या कल सुबह तक तैयारियां पूरी हो जाएंगी। महाधिवेशन सफल हो सके इसके लिए लगातार बैठकों का दौर भी जारी है। वहीं दूसरी अधिवेशन में शामिल होने के लिए मेहमानों का आना शुरु हो गया है। कांग्रेस नेता बसों और ट्रेनों के माध्यम रायपुर पहुंच रहे हैं।

राष्ट्रीय सचिव राजेश तिवारी ने जानकारी दी है कि 24 तारीख को स्टीयरिंग कमेटी की बैठक की जाएगी जिसमें और सब-कमेटियां बनी है। उसमें निर्धारित किए हुए विषयों पर विचार विमर्श किया जाएगा। और उसके प्रस्ताव इस अधिवेशन में प्रस्तुत किए जाएंगे। महाअधिवेशन में 25 और 26 तारीख को होगा। जिसमें पूरे पीसीसी के डेलीगेट्स, एआईसीसी के डेलीगेट्स, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी, स्टीयरिंग कमेटी के सदस्य, पूरे देश के प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष, सीएलपी के लीडर्स सभी यहां उपस्थित होंगे और इनके बीच यहां चर्चा की जाएगी।

कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव राजेश तिवारी का कहना है कि पार्टी का महाधिवेशन हमेशा विशेष ही होता है। महाधिवेशन में देश के

विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की जाती है। इसी के लिए 7 कमेटी भी बनाई गई है। जिसमें देशव्यापी चर्चाएं होंगी। साथ ही पार्टी के संविधान में जो संशोधन होना है। उसके बारे में यहां चर्चा की जाएगी। देश को एक नया संदेश इस अधिवेशन के जरिए कांग्रेस पार्टी देने की कोशिश करेगी।

इन विषयों पर होगी चर्चा

राष्ट्रीय सचिव राजेश तिवारी ने बताया कि कांग्रेस के इस महाधिवेशन में कृषि को लेकर प्रस्ताव होंगे। सोशल जस्टिस को लेकर दलित और कमजोर वर्ग के लोग पर जो अत्याचार हो रहे हैं उनको लेकर, इस संविधान को बचाने को लेकर, किसानों को लेकर, आर्थिक नीति को लेकर, देश में किस प्रकार से नीतियां होने चाहिए। साथ ही केंद्र सरकार की गलत नीतियों की वजह से इस देश को क्या परिणाम भुगतना पड़ रहा है? इन विषयों पर इस महाधिवेशन पर चर्चा की जाएगी। उसका एक निष्कर्ष निकलेगा यहां से जो देश की जनता के सामने रखा जाएगा।

महाधिवेशन का चुनाव में असर

राष्ट्रीय सचिव राजेश तिवारी ने कहा है कि पार्टी की जो भी बैठकें या अधिवेशन होते हैं। तो पार्टी उसमें अपनी नीति के साथ साथ उस नीति को जनता तक पहुंचाती है और उसका आने वाले विधानसभा चुनाव या लोकसभा चुनाव पर व्यापक असर हो यह हर राजनीतिक पार्टी का प्रयास रहता है। इस महाधिवेशन में प्रस्ताव के माध्यम से जो निष्कर्ष निकलेगा। उसका असर आने वाले समय में विधानसभा और लोकसभा चुनाव में जरूर पड़ेगा।

कैसी होगी बैठक व्यवस्था?

राजेश तिवारी ने बताया कि स्टीयरिंग कमेटी के सदस्य, सीडब्ल्यूसी जिसका चुनाव यहां होना है तो वो लोग साथ ही राष्ट्रीय अध्यक्ष, पूर्व अध्यक्ष, जनरल सेक्रेटरी, स्टीयरिंग कमेटी के मेंबर मंच पर बैठेंगे। साथ ही प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष, प्रदेशों के विधायक दल के नेता वो भी मंच पर रहेंगे। मंच के नीचे राष्ट्रीय कांग्रेस कमेटी सचिव और जो विभिन्न मोर्चा प्रकोष्ठ के पदाधिकारी ठीक उनके पीछे ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी के सदस्य और डोम के दोनों तरफ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रतिनिधि के बैठने की व्यवस्था यहां की गई है।

आने वाली 24, 25, 26 फरवरी को नवा रायपुर में कांग्रेस का राष्ट्रीय महाधिवेशन प्रस्तावित है। अधिवेशन में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी समेत देशभर के 12 से 14 हजार से कांग्रेसी शामिल होंगे। इनके रुकने के लिए नवा रायपुर के मेला ग्राउंड में टेंट सिटी बनाई जा रही है। लगभग 60 एकड़ में फैले इस मैदान में ही महाधिवेशन होना है। देशभर से आने वाले पदाधिकारियों और नेताओं की बैठकें इसी डोम में होगा।

बाबू भैया की कलम से

कोयला व शराब छत्तीसगढ़ चुनाव के लिए बने अभिशाप

कोयला और शराब छत्तीसगढ़ के लिए वरदान के साथ अभिशाप बन गए प्रतीत हो रहे हैं। वरदान इसलिए हैं, कि इनके माध्यम से राजस्व की बड़ी आय सरकार के खजाने में आती है। अभिशाप इन मायनों में कि इस माध्यम से राजस्व के साथ निजी राजस्व वसूली के सुराग प्रवर्तन निदेशालय को मिले हैं। कोयला की जांच में अब तक अनेक आईएएस व शासन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे अन्य अधिकारी जेल के सींखचों के पीछे पहुंचा दिए गए हैं। अनेकों पर नजर है। कल ही इनमें से छत्तीसगढ़ के 6 कांग्रेसी नेताओं पर ईडी ने हाथ डाला। पता चला है कि अब कोयला के साथ शराब की अवैध कमाई को भी ईडी ने लक्ष्य बना लिया है। छापा पड़ना कोई एतराज की बात नहीं है, क्योंकि माना जाता है कि ईडी देश की बेहद शक्तिशाली ,अधिकारों से सम्पन्न संस्था है। जब भी वह किसी पर हाथ डालेगी तो सबूत इकट्ठे करने के बाद ही डालेगी। यह भी देखा गया है कि ईडी ने अब तक कि गई जांच या छापों में दो-तीन दिनों तक पूछताछ की है। कल के छापों कहें या जांच प्रक्रिया कहें तीन बजे रात तक सभी नेताओं के यहां सम्पन्न हो गई। पूछताछ के बाद फिलहाल तो सभी छोड़ दिये गए। छापों के दौरान कांग्रेस जनों ने सभी प्रताड़ित हो रहे नेताओं के निवास पर उपस्थिति देकर अपने तीखे तेवर भी दिखाए। ईडी पर उसका कुछ असर पड़ा हो ऐसा दिखाई तो नहीं दिया , लेकिन समझ में आया कि कांग्रेस जनों के तेवर व आक्रोश की तेजी देख कर भविष्य में कुछ अप्रिय घट जाए तो आश्चर्य की बात नहीं होगी। दरअसल कांग्रेस जनों के बीच तो यह सवाल पहले से है ही ,अब तो जनता के बीच भी यह चर्चा सुनी जाने लगी कि वाकई क्या बेईमानी सिर्फ कांग्रेसी ही कर रहे हैं ? क्या देश प्रदेश के सभी भाजपाई नेता दूध के धुले हुए हैं। कोई भी बेईमान नहीं हुआ ? क्या भाजपाई सरकारों वाले प्रदेशों में पूरी तरह रामराज्य वो भी 100 प्रतिशत ईमानदारी के साथ चल रहा है ? यह प्रश्न जनचर्चा में विचारों की ऊंचाई पर जरूर तैर रहा है। प्रदेश के मुख्यमंत्री ने खुद सीधा आरोप लगाकर ईडी की कार्यवाही पर शंका पैदा कर दी है । आरोप लगा कर कहा है कि क्या ईडी को डॉ.रमनसिंह सरकार के दौर का नान घोटाला, हेलीकाप्टर मामला ,धान घोटाला की जांच नहीं करनी चाहिए ? आरोप यह भी लगाया कि यहां जो भी किया जा रहा है, सब भाजपा की केंद्र सरकार व भाजपा के स्थानीय नेताओं के इशारे पर हो रहा है ? प्रमाण के रूप में उन्होंने कहा कि रमन सिंह ने प्रेस को दिए बयान में पहले दिन जो कहा दूसरे दिन हूबहू वही बात ईडी के अधिकारियों ने कही,ये क्या दर्शाता है ? क्या यह नहीं लगता कि ईडी के लिए रमनसिंह प्रवक्ता की भूमिका निभा रहे हैं। पहले ही उस बात को कह देते हैं, जो ईडी को कल कहना है। लोगों में इस बात की भी भरपूर चर्चा है कि कहीं यह कांग्रेस के महाधिवेशन को अनिश्चितता में डालने का भाजपा का प्रयास तो नहीं। ठीक तीन दिन पहले कोष पर नियंत्रण रखने वाले कोषाध्यक्ष रामगोपाल अग्रवाल पर हाथ डालने के प्रयास को इसी नजरिये से देखा जा रहा है। कांग्रेस के नेताओं ने भी यही बात बार बार कही है। लोग इस दृष्टिकोण से सोच भी रहे हैं।

लोगों में यह भी चर्चा है कि ईडी को अपनी निष्पक्षता के लिए 2003 से अब तक के कार्यकाल में कोयले व शराब में किसने कितनी दलाली ली है। ? वे कौन लोग हैं? इस दिशा में काम करना चाहिए था तब कोई भी हल्ला होना संभव नहीं होता। ईडी को इस बात से क्या लेना देना है कि कोयला की दलाली या कमीशन खाने वाला भाजपा का है या कांग्रेस का? उसे सब पर हाथ डालना था। यह भी कि कोयले की दलाली व कमीशन का काम प्रदेश के गठन के दौर से लोग सुनते आ रहे हैं। चर्चा थी तो कुछ न कुछ सच्चाई भी होगी । किसी भी बात की यूं ही चर्चा नहीं होती। रमन सरकार के तीसरे कार्यकाल में रायगढ़ में हुए भाजपा के सम्मेलन में रमनसिंह ने भाजपाइयों से कथित रूप से कमीशन बंद करने की बात की थी। वो कौन से कमीशन की बात थी? यह भी सवाल उठ रहे हैं।

ईडी की कार्यवाही पर कोई कुछ नहीं कहना चाहता भ्रष्टाचार जिसने किया उसे सजा मिले,सब यही चाहते हैं। ईडी के तौर तरीके व एकतरफा दृष्टिकोण के कारण यह स्वाभाविक शंकाएं उभर रही हैं कि , यह केंद्र सरकार की कांग्रेस की प्रदेश सरकार से बदला लेने की अथवा आगामी चुनाव को मद्देनजर व महाधिवेशन को बाधा पहुंचाने की कोशिश के सिवाय कुछ नहीं है। एक नेता के विरोध प्रदर्शन करने पर ईडी के अधिकारी ने कह भी दिया कि हम उपर के आदेश पर काम कर रहे हैं। अब यह ऊपर वाला कौन है ? उनके विभागीय आला अधिकारी या केंद्र सरकार के सम्बंधित मंत्रालय सम्हालने वाले केंद्रीय मंत्री ? जनता को जो समझना हो समझ ले।

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ चरणदास महंत ने छत्तीसगढ़ के नवनियुक्त राज्यपाल श्री विश्वभूषण हरिचंदन जी का प्रथम छत्तीसगढ़ आगमन पर रायपुर माना विमानतल में उनका कोषा निर्मित शॉल एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत अभिनंदन किया। विस् अध्यक्ष डॉ महंत ने कहा कि, श्री हरिचंदन जी वरिष्ठ नेता रहे है अनेकों बड़ी जिम्मेदारी से लम्बा अनुभव प्राप्त है। आशा करते है, छत्तीसगढ़ जैसे शांत, प्रेम-भाईचारे के प्रदेश में उनके अनुभव का लाभ मिलेगा।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिका संयुक्त मंच के समर्थन में पहुंचे डॉ. रमन सिंह

■ आज पूरा प्रदेश मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के रवैये से है त्रस्त: डॉ. रमन सिंह

रायपुर। पूर्व मुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. रमन सिंह आज बालोद जिले के ग्राम गुरूर पहुंचे, जहां वे आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिका संयुक्त मंच के प्रदेश सरकार के खिलाफ धरना प्रदर्शन में शामिल हुए। कांग्रेस के घोषणा पत्र के वादों को पूरा न करने पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिका संयुक्त मंच ने अपनी छः सूत्रीय मांगों को लेकर प्रदेश सरकार के खिलाफ धरना प्रदर्शन किया।

इस दौरान कांग्रेस के जनघोषणा पत्र के अधूरे वादों पर पूर्व मुख्यमंत्री

डॉ. रमन सिंह ने सरकार को घेरते हुए कहा कि आज पूरा प्रदेश मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के रवैये से त्रस्त हैं, छत्तीसगढ़ सरकार चार साल पूरे होने के बाद भी अपने जनघोषणा पत्र में किए गए वादों की अनदेखी कर रही है, यह सरकार की असंवेदनशीलता को दर्शाता है।साथ ही उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के प्रति संवेदना दर्शाते हुए कहा कि प्रदेश में लगभग एक लाख से अधिक संख्या में कार्यरत आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का सब्र का बांध टूटता नज़र आ रहा है। अब सरकार पर भरोसा नहीं हो रहा है। इसके अलावा पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह बालोद जिले के ही ग्राम दर्रा में आयोजित हरदिहा साहू समाज के सामाजिक आदर्श विवाह कार्यक्रम में भी शामिल हुए। जहां उन्होंने सामुहिक विवाह के आयोजन की सराहना करते हुए अपने संबोधन में कहा कि "सामाजिक स्तर पर सामुहिक विवाह का आयोजन सराहनीय है। हरदिहा साहू समाज के इस कार्य की जितनी तारीफ की जाए वह कम है।

छत्तीसगढ़/राजधानी
प्रमुख समाचार

भूपेश बघेल गुलामों की पार्टी के सूबेदार : देवलाल ठाकुर

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश भाजपा प्रवक्ता देवलाल ठाकुर ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बयान पर पलटवार करते हुए कहा है कि कितने आश्चर्य की बात है कि एक तानाशाह मुख्यमंत्री दुनिया के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता और देश के प्रधानमंत्री को तानाशाह बता रहा है। इससे अधिक लोकतंत्र और क्या हो सकता है कि भूपेश बघेल इतना दुस्साहस कर रहे हैं। अंग्रेजों की बनाई पार्टी के एक नेता से भारतीयता के आदर्शों पर स्थापित विश्व की सबसे बड़ी पार्टी को सर्टिफिकेट लेने की कोई जरूरत नहीं है। कांग्रेस आजादी के बाद भी गुलाम है। भूपेश बघेल सहित सारे कांग्रेसी एक परिवार की गुलामी कर रहे हैं। कांग्रेस का इतिहास ही अतीत से आज तक गुलामी का दस्तावेज है। कांग्रेस के नेता पहले अंग्रेजों की दलाली कर भारत के वीर क्रांतिकारी सपूतों को फांसी पर लटकते हुए देखते थे। कांग्रेस ने अंग्रेजों की मंशा के मुताबिक भारत का विभाजन मंजूर किया। आजादी के बाद कांग्रेस नेहरू, इंदिरा, राजीव, सोनिया, राहुल, प्रियंका और इनकी आने वाली नस्लों की गुलामी के लिए प्रतिबद्ध है। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता देवलाल ठाकुर ने कहा कि एक परिवार की गुलामी कर रहे भूपेश बघेल को लोकतांत्रिक मर्यादा में रहना चाहिए। भूपेश बघेल बतायें कि गुलाम कौन है? एक परिवार की जी हजूरी करने वाली कांग्रेस या देश में कांग्रेस का सफाया कर देने वाली भाजपा?

आंगनबाड़ी कार्यकताओं एवं सहायिकाओं से किए वादे पूरा करें सरकारः शालिनी राजपूत

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष शालिनी राजपूत ने कांकेर में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के धरने को अपना समर्थन देने पहुंची इस दौरान उन्होंने कहा कि प्रदेश की कांग्रेस ने 2018 में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं से उनकी सभी

मांगों को पूरा करने का वादा किया था, लेकिन सत्ता में आने के बाद आज कांग्रेस के चार बरस बीत गए हैं लेकिन इन 4 वर्षों में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं से किए वादे को प्रदेश सरकार ने पूरा नहीं किया। जिसके आक्रोश में पूरे प्रदेशभर की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाएं हड़ताल पर है। जिसके कारण प्रदेश में बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं को मिलने वाला पोषण आहार का वितरण भी बंद है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं से वादा करके उन्हें पूरा नहीं किया है। जिसके कारण आज प्रदेश भर की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता बहनें प्रदेश सरकार को उनसे किए वादों एवं अपनी मांगों को पूरा करने के लिए लगभग 1 महीने से आंदोलनरत है। भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष शालिनी राजपूत ने कहा कि प्रदेश की कांग्रेस ने सत्ता की लालसा में प्रदेश के हर वर्ग को छला है।

अगर सनातनी एक नहीं हुए तो देश टूट जाएगा- जूदेव

जशपुर। धर्म जागरण समन्वय विभाग एवं आर्य समाज के तत्वाधान में माता पुजारी सम्मेलन बूढ़ीमाई धाम, चिकनीपाली के इमलीपारा (बागबहार, जशपुर) में 36 परिवार के 250 धर्मांतरित सदस्यों की सनातन धर्म में वापसी हुई। अखिल भारतीय घर वापसी अभियान के प्रमुख प्रबल प्रताप सिंह जूदेव ने पूजा अर्चना एवं शुद्धिकरण हवन के पश्चात उनके पैर गंगाजल से धोकर घर वापसी कराई।कार्यक्रम में पूर्व केंद्रीय मंत्री विष्णु देव साय, सरपंच संघ, डॉ. बीएल भगत, कैलाश अग्रवाल, पंत राम भगत (वनवासी कल्याण आश्रम) सुरेंद्र बेसरा, आनंद शर्मा एवं अन्य लोगों का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम में विशेष रूप से आचार्य राकेश जी की उपस्थित रही, जो कि संत पदयात्रा के नेतृत्वकर्ता के रूप में हिंदुत्व की रक्षा के लिए शुरू हुई जशपुर से रायपुर पदयात्रा में निकले हैं। प्रबल प्रताप सिंह जूदेव ने बताया कि जनजातियों के धर्मांतरण के पीछे राष्ट्र को खंडित करने का षड्यंत्र है। प्रदेश में लगातार बढ़ रहे धर्मांतरण एवं बस्तर संभाग के नारायणपुर में आदिवासी समाज के ऊपर होते मिशनरी अत्याचार से जनजातीय संस्कृति को नष्ट करने की मिशनरी माफियाओं का गहरा षड्यंत्र है। हमारे लोगों की दिनदहाड़े हत्याएँ हो रही हैं। इसके विरोध में पूरे हिंदू समाज को संगठित होने की जरूरत पर जोर देते हुए प्रबल प्रताप सिंह जूदेव ने कहा अगर सनातनी एक नहीं हुए तो देश टूट जाएगा!

ईडी के छापों के खिलाफ न्यायालय जाने की तैयारी

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने ईडी के छापे की कार्रवाई के बीच कहा है कि विनोद तिवारी व आरपी सिंह के यहां छापा डालने का क्या औचित्य? एक ने रमनसिंह और एक ने अमनसिंह के खिलाफ शिकायत की थी इसलिए। यह तो अडानी को समझना चाहिए कि जो दो पनौती गये हैं छत्तीसगढ़ से वे जिसके साथ थे

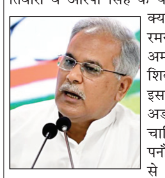

वो डूबे थे। उन्होंने दो पूर्व अफसरशाहों को पनौती बताया है। ईडी केवल लोगों को परेशान और छवि खराब करने की मुहिम में लगी है,हासिल कुछ नहीं कर पा रही है। इधर राज्य सरकार ईडी के छापों के खिलाफ न्यायालय जाने की तैयारी है। बताया जा रहा है, पीड़ितों की शिकायतों के आधार पर इसकी भूमिका तैयार की जा रही है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भी इसके संकेत दिये। उन्होंने कहा, ईडी लगातार परेशान कर रही है। लोगों को प्रताड़ित कर रहे हैं। झूठे केस में फंसाने की कोशिश कर रहे हैं। पीड़ित पक्ष के द्वारा आवेदन दिया गया है। हमने केंद्र सरकार को भी अवगत कराया है। उसके बाद भी केंद्र सरकार कोई कार्रवाई नहीं कर रही है। अब हमारे पास न्यायालय में जाने के अलावा कोई रास्ता नहीं है। इस मामले को न्यायालय तक ले जाएंगे।

छत्तीसगढ़ की उपेक्षा पर पर्दा डालने भाजपाइयों का राजनैतिक पाखंड बेशर्मी की पराकाष्ठा है

रायपुर। छत्तीसगढ़ में पीएम आवास को लेकर भारतीय जनता पार्टी के नेताओं के द्वारा किए जा रहे प्रदर्शन पर पलटवार करते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि केंद्र की मोदी सरकार के भेदभाव पूर्ण रवैया और

छत्तीसगढ़ की उपेक्षा पर पर्दा डालने के लिए प्रदर्शन की राजनैतिक नौटंकी कर रहे हैं भाजपाई। सर्वविदित है कि विधानसभा के विगत मानसून सत्र के दौरान 20 जुलाई 2022 को भारसाधक मंत्री के द्वारा छत्तीसगढ़ में पीएम आवास के संदर्भ में विगत 4 वर्षों के लिखित आंकड़े प्रस्तुत किए गए थे। पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह के सवाल के जवाब में वित्तीय वर्ष 2019-20, 20-21, 21-22 और 2022-23 में योजना के तहत आवासों की संदर्भ में लिखित जानकारी विधानसभा में दी गई थी। प्रधानमंत्री आवास के संदर्भ में दिए गए जवाब में यह बताया गया था कि वर्ष 2019-20 के वित्तीय वर्ष में पीएमएवाई ग्रामीण के तहत 151072 और वर्ष 2020-21 में 157815 घर स्वीकृत किए गए थे। वर्ष 2019-20 के लक्ष्य में से 72103 मकान पूरे हो चुके हैं जबकि 78969 अधूरे हैं।

महिला आयोग द्वारा 57 प्रकरणों की हुई सुनवाई

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ.किरणमयी नायक, आयोग की सदस्य श्रीमती नीता विश्वकर्मा एवं श्रीमती बालो बघेल की उपस्थिति में बुधवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष में सरगुजा, सूरजपुर एवं बलरामपुर जिले के 57 प्रकरणों की सुनवाई की गई। आयोग की अध्यक्ष डॉ. नायक ने अपने कार्यकाल की आज 162 वीं जनसुनवाई की। इसमें सूरजपुर से 16, सरगुजा से 26 और बलरामपुर के 15 प्रकरण रखे गए थे। 57 प्रकरण में 27 प्रकरणों को नस्तीबद्ध किया गया। शेष प्रकरणों के निराकरण के लिए सुनवाई की तिथि तय की जाएगी। पहले प्रकरण में अनावेदक आवेदिका का शारीरिक शोषण करता था। आवेदिका ने एक बच्चे को जन्म दिया। आवेदिका द्वारा महिला आयोग में शिकायत करते ही अनावेदक ने किया आवेदिका से विवाह कर लिया।

एक अन्य प्रकरण में उभयपक्ष उपस्थित आवेदिका ने अनावेदक नायब तहसीलदार के खिलाफ शिकायत दर्ज कराया था। सुनवाई के दौरान आवेदिका ने बताया है प्रकरण अन्य अदालत में लंबित है। नायब तहसीलदार ने बताया कि एसडीएम अम्बिकापुर के पास प्रकरण चल रहा है। अनावेदक ने भी इसे स्वीकार किया। एक न्यायिक प्रकरण जारी है उसी प्रकरण की दुबारा सुनवाई नहीं किया जायेगा इस प्रकरण को नस्तीबद्ध किया गया। एक अन्य प्रकरण में आवेदिका ने बताया कि पहले नोटरी के पास शादी किया था और साथ में नही रह रहा था आयोग में प्रकरण लगने के बाद अनावेदक के परिवारवालो ने दोनो की शादी 25 जनवरी 2023 को उभयपक्ष ने विधि विधान से शादी किया है और दोनो एक साथ रह रहे है। इस प्रकरण को नस्तीबद्ध करते हुये प्रकरण को जिला संरक्षण अधिकारी नवा बिहान सरगुजा की निगरानी में रखा गया। एक अन्य प्रकरण में अनावेदिका उप निरीक्षक पुलिस अधीक्षक कार्यालय में पदस्थ थी।

छत्तीसगढ़ का 5 हजार करोड़ कांग्रेस पर न्यौछावर

भूपेश को कांग्रेस अधिवेशन चाहिए, गरीबों का आवास नहीं- बृजमोहन

रायपुर। बृजमोहन अग्रवाल ने आज मोर आवास-मोर अधिकार अभियान के तहत रायपुर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र का घेराव अंतर्गत पंचायत मंत्री रविन्द्र चौबे के निवास के घेराव कार्यक्रम का नेतृत्व करते हुए कांग्रेस सरकार पर जमकर हमला बोला। वरिष्ठ भाजपा नेता, पूर्व मंत्री व विधायक बृजमोहन अग्रवाल ने कहा है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को कांग्रेस अधिवेशन चाहिए। छत्तीसगढ़ के गरीबों का आवास नहीं चाहिए।

भूपेश बघेल कांग्रेस के अधिवेशन पर राज्य की जनता का 5 हजार करोड़ न्यौछावर कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ के संसाधनों का दुरुपयोग किया जा रहा है। पूरी सरकारी मशनरी कांग्रेस अधिवेशन की सेवा में तैनात कर दी गई है। पूर्व मंत्री

बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि कांग्रेस के अधिवेशन में सोनिया गांधी आ रही हैं, राहुल, प्रियंका आ रहे हैं, कांग्रेस के गुमनाम अध्यक्ष आ रहे हैं, देश भर के कांग्रेसियों के पास कोई काम नहीं है, ऐसे तमाम नेता यहां की गरीब जनता का आवास छीनकर कराये जा रहे 5 हजार करोड़ के भंडारे का लुत्फ उठाने आ रहे हैं। भूपेश बघेल कांग्रेस अधिवेशन के प्रायोजक बने हैं और छत्तीसगढ़ की जनता का धन इन मेहमानों की खातिरदारी पर उड़ा रहे हैं।

वरिष्ठ भाजपा नेता बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ के गरीब अपनी छत से वंचित हैं और यहां की जनता के पैसों से कांग्रेस के लोगों को लग्जरी होटलों में ठहराया जा रहा है। गरीब जनता सरकारी अस्पताल में इंजेक्शन को तरस रही है, कांग्रेसियों की सेवा में पूरी स्वास्थ्य व्यवस्था हाजिर रहेगी। कानून व्यवस्था दम तोड़ रही है, कांग्रेस की सेवा में पूरा प्रशासन और सुरक्षा में पुलिस समर्पित है।

घेराव आंदोलन में शामिल होने आए भाटापारा विधायक शिवरतन शर्मा ने कहा भूपेश बघेल जी यह जान लें कि पूरे देश में केवल बंगाल और छत्तीसगढ़ में ही प्रधानमंत्री आवास नहीं मिल रहे हैं । आपके साथी कांग्रेसी राज्य राजस्थान में तो प्रधानमंत्री आवास प्लस के मकान बनने प्रारंभ हो गए हैं । जनता आपका झूठ समझ चुकी है अब आप को गरीब का पैसा देकर उनका मकान बनवाना ही होगा।

जिलाध्यक्ष जयंती पटेल ने आंदोलन में शामिल होने के लिए जनता व कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अपने अधिकार के मिलते तक यह आंदोलन खत्म नही होगा। जरूरत पड़ी तो जनता अपने आवास के लिए भूपेश सरकार को आशियाना छीन लेगी।

आर.एन.आई. रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.